



स्वास-स्वस्

कैंसर-सर्वाइवर की देखभाल के लिए 49 डॉक्टरों को विशेष ट्रेनिंग

रायपुर। जेलीसगढ़ में कैन्सर का इलाज लिए चले मरीजों की देखभाल के लिए 49 मेडिकल ऑफिसर्स को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। नेशनल हेल्थ मिशन और ECHO डॉड्या ने इसके लिए कैन्सर सर्वाइवरशिप केयर प्रोग्राम शुरू किया है। इसमें डॉक्टरों को मरीजों के रेगुलर फॉलो-अप, इलाज के साइड इफेक्ट्स के मैनेजमेंट, मेडल हेल्थ और रिहैबिलिटेशन से जुड़ी देखभाल की जानकारी दी जाएगी। प्रोग्राम का प्री-लॉन्च और ओरिएंटेशन सेशन 28 अक्टूबर को आयोजित किया गया।

ट्रेनिंग प्रोग्राम में 8 मॉड्यूल शामिल हैं। इसके जरिए डॉक्टरों की कैपेसिटी बिल्डिंग की जाएगी, ताकि वे कैन्सर का इलाज पूरा होने के बाद भी मरीजों की सेहत पर नजर रख सकें और जरूरत के अनुसार इलाज व दूसरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकें।

तीन सौ करोड़ के घोटाले का आरोपी संदीप अग्रवाल झारखंड से गिरफ्तार

थिलाई। व्यापारिक निवेश और व्यापार के नाम पर 300 करोड़ रुपए से अधिक के बहुवर्चित गमन व धोखाधड़ी के मामले में लंबे समय से फरार थिलाई जिला भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 13 महीने से पुलिस को आँखों में धूल डोंक रहा संदीप झारखंड के एक स्थानीय थाने में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था, लेकिन पुलिस को इसकी भनक लग गई और कोलकाता पुलिस की विशेष टीम ने थाने के बाहर ही घेराबंदी कर उसे हिरासत में ले लिया। इस घोटाले में संदीप के भाई संजय अग्रवाल और सचिन अग्रवाल भी मुख्य अभियुक्त हैं। दोनों के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी हो चुका था। दोनों भाई गांधीधाम और धनबाद की जेलों में करीब 13 महीने बिताने के बाद हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय से जमानत पर रिहा हुए हैं।

**कलर प्रिंटर से छापे 17 हजार
500 रुपये के नकली नोट, दो
आरोपी गिरफ्तार**

भारत-बिलाईगढ़-पुलिस ने सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिले के दो युवकों को घर में करम प्रिंटर से जाली नोट छापकर बाजार में चलाने के प्रयास में गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 100 और 500 रुपये मूल्य के कुल 79 जाली नोट बरामद हुए हैं, जिनका कुल कीमत 17 हजार 500 रुपये है। पुलिस ने मामले में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी और नोट छापने की सामग्री भी जब्त कर ली है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। यह मामला सक्ती जिले के हसीदा थाना क्षेत्र का है। बजरंग चौक स्थित डेली नीड्स दुकान पर 23 अक्टूबर की शाम स्कूटी से दो युवक पहुंचे थे। युवकों ने दुकान में 19 वर्षीय दुकानदार ओम साहू को सामान खरीदने के बाद जाली नोट देने की कोशिश की। दुकानदार ने नोट की बनावट देखते ही उसे पहचान लिया और लेने से मना कर दिया। पकड़े जाने के डर से दोनों युवक वहां से तुरंत लौट गए। इसके बाद दुकानदार ओम साहू ने 27 अक्टूबर को हसीद थाने पहुंचकर पूरी घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच और आरोपियों की तलाश के निर्देश जारी किए।

आत्मानंद-स्कूलों में 31 अक्टूबर से 1812 पदों पर शुरू होगी भर्ती परीक्षा

संचानालय ने जारी किया प्रवेश पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

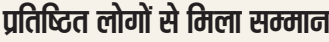
रायपुर। स्वामी आत्मानंद स्कूलों में 1812 सविदा पदों पर भर्ती के लिए कंयूटर पर आधारित परीक्षा 31 अक्टूबर से शुरू होगी। परीक्षा 4 नवंबर तक चलेगी। रायपुर, बिलासपुर समेत प्रदेश के 7 शहरों के 24 केंद्रों पर 34 हजार 604 अभ्यर्थी शामिल होंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। परीक्षा हर दिन तीन पालियों में होगी। गलत जवाब देने पर 0.25 अंक कटेंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से डेढ़ घंटे पहले केंद्र पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने से 15 मिनट पहले केंद्र का गेट बंद कर दिया जाएगा।

गरियाबंद में 3500 पेड़ों को बचाने की मुहिम, ट्री डॉक्टर कर रहे इलाज, 50 वनकर्मियों को ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में उदती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के करीब जंगल में गड्ढा में नुकरास पड़चें करीब 3500 पेड़ों को बचाने की कोशिश की जा रही है। कर्नाटक के से आए ट्री डॉक्टर विजय निशांत वन विभाग के साथ मिलकर इन पेड़ों का प्राकृतिक तरीके से इलाज कर रहे हैं। इसके तहत वन विभाग के 50 से ज्यादा कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है।

वन विभाग के उपनिदेशक वरुण जैन के अनुसार, इलाके में करीब 3,500 ऐसे पेड़ मिले हैं, जिन्हें बचाने के लिए इलाज किया जा रहा है। सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में सवा लाख से ज्यादा पेड़ नष्ट होने की जानकारी सामने आई है। पेड़ों को बचाने के लिए कर्नाटक से पहुंचे विजय निशान्त को ट्री डॉक्टर के नाम से जाना जाता है। वे पेड़ों की स्थिति का आकलन कर उनके नुकसान के अनुसार उपचार करते हैं।



पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके काम के लिए उन्हें कई संस्थाओं और प्रतिष्ठित लोगों से सम्मान भी मिल चुका है। विजय निशांत के मुताबिक, उन्होंने अपने करियर में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों की गर्डींग देखी है। यहाँ उनके लिए दुखद अनुभव है। उनका कहना है कि वे ज्यादा से ज्यादा पेड़ों को बचाने की पूरी कोशिश करेंगे।

ताकी जारी रख सके इलाज

इस अभियान में वन विभाग के 50 से ज्यादा कर्मचारियों को पेड़ों के उपचार और देखभाल की तकनीक सिखाई जा रही है। इसका उद्देश्य यह है कि विजय निशांत के लौटने के बाद भी वनकर्मी पेड़ों का इलाज और निगरानी जारी रख सकें। हालाँकि, सभी पेड़ों को बचा पाना आसान नहीं होगा। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि तने को कितना नुकसान पहुँचा है।

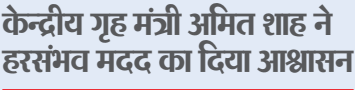
चक्रवाती तूफान अर्बन का असर : छत्तीसगढ़ में कई एकड़ खड़ी धान की फसल पर संकट

लगातार हो रही बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता, अमित शाह ने की छत्तीसगढ़ सहित चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम के बदले मिजाज और चक्रवर्ती तूफान के खतरे ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खरीफ सीजन के दौरान करीब 36 से 40 लाख हेक्टेयर में खड़ी धान की फसल पर संकट पैदा हो गया है। दो दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में पानी भरने से पकी फसलों को भारी नुकसान की आशंका पैदा हो गई है। खासकर ऐसे खेत जिनमें उन्नत व हाईब्रिड किस्मों की फसलें हैं, जहां किसान प्रति एकड़ 21 से 30 क्विंटल तक बंपर उपज की उम्मीद कर रहे थे, वहां लगभग उस से पौधों के गिरने और दाने काले पड़ने का खतरा बढ़ गया है। वहीं अनेक के खेतों के बीच अमित शाह ने आंध्र प्रदेश, पुदुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बात की।

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर छत्तीसगढ़ में गुरुवार को भी जारी रहा। मौसम विभाग ने 29 व 30 अक्तूबर



केन्द्रीय गृह एवं सहाकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि चक्रवात 'अर्नब' के महेनजर आंध्र प्रदेश, पुदुचेरी, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों से बात की है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने इन राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को इस आपदा के समय लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। शाह ने कहा कि NDRF और SDRF की टीमों सक्रियता के साथ युद्धस्तर पर राहत कार्य कर रही हैं। आपदा के प्रभाव का आकलन करने और आगे की आवश्यकता सहजता तय करने के लिए जल्द ही IMCT भेजी जाएगी। भारत सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ लोगों के साथ खड़ी है।

निकालने, काटी गई फसल व चारे को ऊंचे ए
पुरक्षित स्थानों पर रखकर तिरपाल से ढकने व
नैदेश दिए गए हैं। किसानों से यह भी कहा गया
कि किसी भी प्रकार के नुकसान की स्थिति
तुरंत बीमा कंपनी को इसकी सूचना दें।

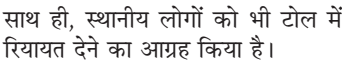
का भी उतर छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश का अल्टर जारी किया है। दुर्ग भिलाई व रायपुर समेत कई जिलों में दिन भर बादल छाए रहे और बूंदबांदी होती रही। यहीं नहीं बारिश को देखते हुए प्रदेश के 14 जिलों के स्कूलों में 30 अक्टूबर तक छुट्टी घोषित कर दी गई है। अर्न्व के कारण छत्तीसगढ़ में भी भारी नुकसान हुआ है। कई इलाकों में पेड़ गिर गए और बिजली सप्लाई रुक रही। अधुना का जगदलपुर में 15.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, रायपुर में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री कम रहा।

कृषि विशेषज्ञों की एडवाइजरी

कृषि विशेषज्ञों ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत किसानों को सलाह दी गई है कि वे पक चुकी पसलों को कटाई अगले 2 से 4 दिन के लिए टाल दें। साथ ही, खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत बाहर

बालोद-दल्लीराजहरा टोल प्लाज पर सीजी 24 वाहनों को फ्री करने की मांग

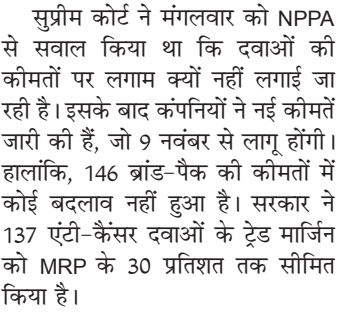
श्रीकंचनपथ न्यूज



बालोद। बालोद-दल्लीराजहरा मार्ग पर जमही टोल प्लाजा में 25 अक्टूबर से टोल वसूली शुरू हो गई है। इसे लेकर भाजपा नेता और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। उन्होंने बालोद जिले में पंजीकृत सीजी-24 नंबर वाले वाहनों को टोल शुल्क से छूट देने की मांग की है।

9 नवम्बर से सस्ती होंगी दवाइयां, कैंसर की 80 हजार की सुई मिलेगी 7 हजार रुपए में

■ 397 प्रकार की दवाओं के दाम घटाने का फैसला



नई दिल्ली। देश में कैन्सर की 543 दवा ब्रांडों का पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी डॉ फेसले के बाद 397 यानी 73 प्रतिशत दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत से ज्यादा और 50 में 80 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 प्रतिशत से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सेमेटा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटकर 7,150 कर दी गई है। पेलोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 से घटकर 2,720 हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को NPPA से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाया क्यों नहीं लगाई जा रही है। इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एफ-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को MRP के 30 प्रतिशत तक सीमित किया है।

करवा चौथ के दिन सिलबट्टा मारकर कर दी पत्नी की हत्या

ग्वालियर। करवा चौथ के दिन ग्वालियर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पति नशे में विवाद के बाद अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। साथ ही परिजनों से भी पछताछ कर रही है।

घटना गुरुवार की सुबह सवेरे घटित हुई। अब तक मिली जानकारी के अनुसार ग्वालियर के व्यांगी नगर में रहने वाला आनंद श्रीवास्तव बाढ़ों पर एक दुकान पर मजदूरी का काम करता हैं। गुरुवार की सुबह आनंद श्रीवास्तव घर पर मौजूद था और उसकी पत्नी सुधा श्रीवास्तव ने अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखा हुआ था।

सुधा श्रीवास्तव घर में पलंग पर आराम कर रही थी। पति ने पहले पोहा बनाया और घर में मौजूद उनका बेटा झपकी ले रहा था। इसी दौरान पति ने अपनी पत्नी सुधा पर सिलबट्टे से वार कर दिया। सुधा के सिर पर सिलबट्टे से वार किया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

नीकरीपेशा लोगों, व्यापारियों और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने बालोद जिले में पंजीकृत निजी वाहनों को नियमावली पर खूट देने का मौखिक की है। साथ ही, आधार कार्ड और निवास प्रमाण पत्र के आधार पर स्थानीय लोगों को रियायत देने की व्यवस्था लागू करेगा का आग्रह किया है। राकेश यादव ने रायपुर क्षेत्र और राजनांदगांव के स्थानीय उद्ये प्लजा का उदाहरण देते हुए स्थानीय नागरिकों को राहत देने का मौखिक की है।



संपादकीय

पर्यावरण अनुकूल पर्यटन

हिमाचल ने स्पीति में प्रवेश शुल्क से की पहल

इसमें दो राय नहीं कि देश के पहाड़ी राज्यों के लिये पर्यटन उद्योग अब अर्थव्यवस्था को गति देने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। कह सकते हैं तमाम पारिस्थितिकीय चुनौतियों के चलते एक मजबूरी भी बन गया है। लेकिन इसमें दो राय नहीं है कि राजस्व सृजन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिये, राज्य सरकारें एक कठिन राह पर चलना सीख रही हैं। दरअसल, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों में यह चुनौती ज्यादा बड़ी है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश के संवेदनशील स्पीति के इलाके में प्रदेश के वन विभाग ने आने वाले पर्यटकों के लिए दैनिक

“ दरअसल, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों में यह चुनौती ज्यादा बड़ी है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश के संवेदनशील स्पीति के इलाके में प्रदेश के वन विभाग ने आने वाले पर्यटकों के लिए दैनिक आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क आरंभ करने का निर्णय किया है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार की इस अभिनव पहल का स्वागत ही किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस फैसले के बाद अब बिना किसी प्रवेश शुल्क के इन इलाकों में पहुंचना अतीत की बात हो जाएगी। इतना ही नहीं शूटिंग के लिये, मसलन वृत्तचित्र, फीचर फिल्मों व विज्ञापन आदि के साथ ही टेंट लगाने जैसी गतिविधियों के लिये भी शुल्क संरचना तैयार की गई है। यह एक हकीकत है कि पर्यटकों का अराजक व्यवहार वातावरण में न केवल पर्यावरणीय प्रदूषण फैलाता है बल्कि ठोस कचरा भी छोड़कर जाता है। जिसकी क्षति व सफाई का दबाव राज्य पर पड़ता है। निस्संदेह, सरकार की ईई पहल का उद्देश्य आदिवासी जिले लाहौल और स्पीति में पर्यटन के कार्जन फुटप्रिंट को कम करना है। इसके अलावा हिमाचल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में आंग्रसुकों के लिये सुविधाओं का विस्तार करना भी है। दरअसल, राज्य सरकार सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है और प्रटोकोाल में संशोधन करके यात्रियों की पहुंच को आसान बना रही है। ऐसी ही एक पहल मंगलवार को किन्नोर जिले के शिपकी-ला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शुरू की।

दरअसल, इन क्षेत्रों के सामरिक महत्व को देखते हुए राज्य के अधिकारी सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं।

निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश सरकार की यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिये, खासकर दूरदराज के गांवों के लिये अच्छा संकेत है। जब ग्रामीणों का जन-जीवन बाहर से आने वाले पर्यटकों की गतिविधियों से प्रभावित होता है तो उन्हें पर्यटन से होने वाले लाभ भी मिलने चाहिए। वहीं पर्यटकों की सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। पहलगाम आतंकी हमले ने हमें कई सबक दिए हैं। सबक याद दिलाए हैं कि यदि पर्यटकों की सुरक्षा दांव पर हो तो लापरवाही व चूक के लिये कोई जगह नहीं हो सकती। कश्मीर का हालिया अनुभव बताता है कि जब पर्यटक असुरक्षित महसूस करते हैं तो पर्यटन उद्योग को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। ऐसे में पर्यटक जम्मू-कश्मीर के विकल्प के रूप में हिमाचल की ओर रुख कर सकते हैं। जिससे हिमाचल के पर्यटन उद्योग को नई प्राण वापु मिल सकती है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिये हर संभव प्रयास करना होगा कि नियमित पर्यटन से हिमाचल को न केवल वर्तमान में बल्कि दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त हों। वहीं राज्य सरकार को ध्यान रखना होगा कि बढ़ती पर्यटन गतिविधियों से क्षेत्र की जन-जातियों की संस्कृति और जीवनचर्या में प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके लिये यह भी जरूरी है कि पर्यटन से होने वाली आय से इन क्षेत्रों के विकास को भी गति मिले। जिससे स्थानीय लोग पर्यटन गतिविधियों में उत्साह से भाग लें। ऐसा न हो कि अराजक पर्यटन संस्कृति स्थानीय लोगों की अस्मिता को ठेस पहुंचाए। रीति-नीतियां ऐसी बनें कि राज्य की आर्थिकी को गति मिलने का लाभ स्थानीय लोगों के हिस्से में भी आए ताकि वे पर्यटकों का खुशी-खुशी स्वागत करें। सरकार को भी पर्यटकों की सुविधाओं, सुरक्षा और आवागमन का विशेष ख्याल रखना होगा। इससे राज्य के पर्यटन उद्योग को दीर्घकालीन लाभ मिल सकेगा। उत्तराखंड व अन्य पर्वतीय राज्यों को भी हिमाचल की पहल का अनुकरण करना चाहिए।

हादसों पर लगाम लगाएगी आधुनिक ब्रेकिंग तकनीक



अली खान

एईबीएस का सबसे बड़ा प्रभाव यह होगा कि यह मानव भूल के कारण होने वाले गंभीर हादसों और उनसे होने वाली मौतों की संख्या में भारी कमी आएगा। इसके लागू होने से न केवल कारों में बैठे यात्रियों की जान सुरक्षित होगी, बल्कि पैदल चलने वालों और दोपहिया सवारों को भी सुरक्षा मिलेगी। सड़क हादसों में लगातार बढ़ती मौतों और घातक दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने प्रस्ताव पारित किया है कि अक्टूबर 2030 से देश में बनने वाले सभी नए कार मॉडलों में ‘एडवांस इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम’ को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। अब तक केवल महंगी और लग्जरी कारों तक सीमित रहने वाली यह प्रीमियम सुरक्षा तकनीक अब आम बजट की चार पहिया गाड़ियों का भी हिस्सा बनेगी। नए नियमों के ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के

अमेरिकी मतदाताओं की नाराजगी डोलते ट्रंप

पुष्परंजन

लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। जेन-जी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। मतदान 3 नवंबर को है। ट्रंप मध्यावधि चुनाव हार भी जाते हैं, फिर भी उनकी कुर्सी आसानी से नहीं जाएगी। ट्रंप ने खुद आशंका जताई है कि यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, तो वे उन पर महाभियोग चलाने की कोशिश कर सकते हैं। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधि सभा या सीनेट में बहुमत पा लेती है, तो ट्रंप के लिए बजट या नीतियां पास कराना बेहद मुश्किल हो जाएगा। हालांकि, उनके पास वीटो की शक्ति होगी, जिसका इस्तेमाल वे किसी भी बिल को रोकने के लिए कर सकते हैं। बहुमत खोने की स्थिति में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन की नीतियों की संसदीय जांच शुरू कर सकती है, जिससे उनकी राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

आज भी ऑर्थोडॉक्स यहूदी समुदाय के लगभग 70 प्रतिशत से अधिक मतदाता डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी का खुलकर समर्थन करते हैं। इनका मिजाज बदलता नहीं दिख रहा। लेकिन जो बदल रहे हैं, वे हैं ब्लैक, हिस्पैनिक, यहूदी, मुस्लिम, व्हाइट वर्किंग-क्लास और इवेंजेलिकल मतदाता। 2024 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनने में इनका बड़ा योगदान था। ‘स्विचर वोटर्स’ का अब ट्रंप प्रशासन से मोहभंग हुआ है। ट्रंप अमूमन ‘अमेरिका फर्स्ट’ और ‘नेशनल इंटरेस्ट’ जैसे शब्द इस्तेमाल करते रहे। लेकिन जब परिवार के बजट पर दबाव पड़ता है, तो ये टोटके बकवास लगने लगते हैं।

ट्रंप यदि मध्यावधि चुनाव जीत गए, तब तो मानकर चाहिए, तेहरान की खैर नहीं होगी। अगले दो वर्षों तक ट्रंप ईरान जैसे कुछ और युद्ध वाले इलाके सृजित कर लेंगे। सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी का संसद के दोनों सदनों (प्रतिनिधि सभा और सीनेट) पर नियंत्रण बना रहेगा, जिससे ट्रंप अपने एजेंडे, टैक्स सुधारों और नीतियों को आसानी से आगे बढ़ा सकेंगे।

अशोक भाटिया

23 अक्टूबर को देश के चार बड़े और राजनैतिक रूप से बेहद संवेदनशील राज्यों की 28 विधान परिषद सीटों पर मतपत्रों के जरिए वोट डाले गए थे। 27-28 अक्टूबर को जब मतपेटियां खुलीं, तो चुनावी भूगोल की एक बिल्कुल नई और अप्रत्याशित तस्वीर सामने आई। भारतीय लोकतांत्रिक विपक्ष में पिछले कुछ वर्षों से एक अजीब और गहरी चिंताजनक परिपाटी देखने को मिल रही है। देश के राजनैतिक दल अपनी सांगठनिक कमजोरियों, जमीन से कटते जा रहे कार्यकर्ताओं और जनता के बीच नीतियों के गहरे संकट पर आत्ममंथन करने के बजाय, अपनी हर पराजय का पूरा ठीकरा देश की संवैधानिक चुनावी व्यवस्था पर फोड़ देते हैं। इस पूरे राजनैतिक खेल में ‘इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन’ यानी ईवीएम को एक बड़े वैश्विक खलनायक के रूप में पेश किया गया। कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष ने एक सुर में ‘वोट चोरी’ का एक ऐसा आक्रामक और संवेहहस्पद नैरेटिव गढ़ा, जिसने आम मतदाताओं के मन में देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास के बीज बोने की पुरजोर कोशिश की। राष्ट्रीय स्तर पर महीनों तक इस बात का माहौल बनाया गया कि यदि देश को वापस मतपत्र यानी पुरानी बैलेट पेपर प्रणाली के दौर में ले जाया जाए, तो लोकतंत्र का मोहन टिलिबकाई को 9,323 मतों के बहुत बड़े अंतर से पराजित किया। जब सत्ताधारी दल अपने ही राज्य में मतपत्रों से हार जाए, तो दोष किसे दिया जाए?

बिहार की शिक्षक और स्नातक सीटों पर कांग्रेस का प्रदर्शन एक बार फिर दर्शनीय और निराशाजनक रहा। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में प्रशांत किशोर की नवगठित ‘जन सुराज पार्टी’ के उम्मीदवार सुरेश



ट्रंप पर महाभियोग चलाने की संभावना काफी कम हो जाएगी। जीत गए तो वादे के अनुसार, 27 करोड़ 15 लाख अमेरिकी वयस्कों को 5,000 डॉलर का चेक देना पड़ेगा। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है। हालिया सर्वेक्षणों पर यकीन करें तो लगभग 87 प्रतिशत डेमोक्रेटिक मतदाता ट्रंप के कामकाज और उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। करीब 72 प्रतिशत अश्वेत मतदाता ट्रंप के कुल कामकाज को नापसंद करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप से निराश है। लगभग 68 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता ट्रंप के कामकाज से और 71 प्रतिशत उनकी आर्थिक नीतियों से असंतुष्ट हैं। जेन-जी श्रेणी के युवा वर्ग और विभिन्न जातीय अल्पसंख्यकों में ट्रंप के प्रति कड़ी नाराजगी देखी गई है। अमेरिका का मध्यवर्ग पेट्रोलियम पदार्थों, गैस, भोजन और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को लेकर ट्रंप को कोसना शुरू कर चुका है।

एशियाई अमेरिकी और पैसिफिक आइलैंडर (एएपीआई) मतदाता अमेरिकी मतदाताओं के सबसे विविध समूहों में से एक हैं। ‘आपी’ मतदाताओं का वर्ग सबसे तेजी से बढ़ रहा है। एएपीआई (आपी) समुदाय में लगभग 1.7 करोड़ योय मतदाता हैं, जिनमें से 56 प्रतिशत ने 2024 में अपना वोट डाला था। द एसोसिएटेड प्रेस-नॉर्क सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च (एपी-नॉर्क-एएपीआई) के एक नए पोल के अनुसार, 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के

‘वोट चोरी’ का नैरेटिव और सांगठनिक विफलता का असली आईना

पर पूरी तरह बैलेट पेपर से हुए चुनावों के परिणाम किसी भी गंभीर राजनैतिक विश्लेषक के लिए आंखें खोलने वाले हैं। जब चुनावी खेल पूरी तरह से कांग्रेस की मनपसंद मतपत्र प्रणाली से खेला गया—जहां न तो कोई माइक्रोचिप थी, न कोई सॉफ्टवेयर था, न कोई प्रोग्रामिंग थी और न ही तकनीक का कोई अदृश्य हस्तक्षेप था—तब भी कांग्रेस को मिला करारा सांगठनिक झटका यह अकाट्य रूप से साबित करता है कि समस्या मशीनों को तकनीक में नहीं, बल्कि

पार्टी की बुनियादी राजनीति, नीयत और धरातल में है। यह चुनाव कोई आम जनता या आम जनसभाओं का पारंपरिक चुनाव नहीं था, बल्कि यह विधान परिषद के ‘स्नातक’ और ‘शिक्षक’ निर्वाचन क्षेत्रों का विशेष चुनाव था। इन चारों राज्यों का संपूर्ण चुनावी परिदृश्य कांग्रेस के दावों की जमीनी हकीकत को बयां करता है: पहले कर्नाटक की बात करें—यहाँ कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा, ऐतिहासिक और सबसे आत्मघाती झटका रहा है। कर्नाटक में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सिद्धारमैया सरकार होने के बावजूद, बैलेट पेपर से हुए इस चुनाव में भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने बाजी मार ली। बेंगलुरु टीचर्स निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा-जेडीएस के एपी रंगनाथ ने सिटिंग एमएलसी सुब्बा को करारी शिकस्त दी, वहीं वेस्ट ग्रेनुएटर्स सीट पर भाजपा के एस.वी. सनकूर ने लगातार तीसरी बार कांग्रेस के मोहन ललिबिकाई को 9,323 मतों के बहुत बड़े अंतर से पराजित किया। जब सत्ताधारी दल अपने ही राज्य में मतपत्रों से हार जाए, तो दोष किसे दिया जाए?

बिहार की शिक्षक और स्नातक सीटों पर कांग्रेस का प्रदर्शन एक बार फिर दर्शनीय और निराशाजनक रहा। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में प्रशांत किशोर की नवगठित ‘जन सुराज पार्टी’ के उम्मीदवार सुरेश राय ने कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा को करारी शिकस्त देकर राज्य के राजनैतिक गलियारों में हलचल मचा दी। यहां तक कि मतपत्रों के दौर में भी कांग्रेस अपने पुराने नेताओं की साख नहीं बचा पा रही है। उतर प्रदेश में वजूद का संकट उभर आया। यहाँ की 11 सीटों पर मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के बीच ही सिमट कर रह गया। मेरठ जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की और वाराणसी में सपा ने अपना दमखम दिखाया, जबकि कांग्रेस इस पूरे मतपत्र वाले चुनाव में कहीं भी रैस में दिखाई नहीं दी।

महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी और विशेषकर कांग्रेस के लिए राहत की बात केवल यह रही कि नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी अभिजीत वंजारी शुरुआती दौर से ही भाजपा के सुधाकर कोहले पर बढ़त बनाए रखने में सफल रहे। हालांकि, अगर चारों राज्यों के ओवरऑल प्रदर्शन को देखा जाए, तो कांग्रेस अपने सहयोगियों की तुलना में बेहद कमजोर और ढीली जमीन पर खड़ी दिखाई देती है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर स्थानीय प्रवक्ताओं तक ने देश में एक ऐसा आभासी माहौल बना दिया था कि देश की जनता तो हमें छप्पर फाड़कर जिताना चाहती है, लेकिन सरकारी मशीनरी ईवीएम में गुप्त हेरफेर करके हमारे वैध वोट चुरा लेती है। हालिया हरियाणा विधानसभा चुनाव हो या देश के अन्य बड़े चुनाव, कांग्रेस ने हमेशा इसी विक्टिम कार्ड का इस्तेमाल करके अपनी सांगठनिक कमजोरियाँ पर पर्दा डाला। लेकिन 28 विधान परिषद सीटों के इन बैलेट पेपर वाले परिणामों ने कांग्रेस को तार्किक रूप से एक ऐसे बंद कमरे में ला खड़ा किया है, जहां से निकलने

राय ने कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व बिहार प्रदेश

अध्यक्ष मदन मोहन झा को करारी शिकस्त देकर राज्य के राजनैतिक गलियारों में हलचल मचा दी। यहां तक कि मतपत्रों के दौर में भी कांग्रेस अपने पुराने नेताओं की साख नहीं बचा पा रही है।

उत्तर प्रदेश में वजूद का संकट उभर आया। यहाँ की 11 सीटों पर मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के बीच ही सिमट कर रह गया। मेरठ जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की और वाराणसी में सपा ने अपना दमखम दिखाया, जबकि कांग्रेस इस पूरे मतपत्र वाले चुनाव में कहीं भी रैस में दिखाई नहीं दी।

महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी और विशेषकर कांग्रेस के लिए राहत की बात केवल यह रही कि नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के मौजूदा एमएलसी अभिजीत वंजारी शुरुआती दौर से ही भाजपा के सुधाकर कोहले पर बढ़त बनाए रखने में सफल रहे। हालांकि, अगर चारों राज्यों के ओवरऑल प्रदर्शन को देखा जाए, तो कांग्रेस अपने सहयोगियों की तुलना में बेहद कमजोर और ढीली जमीन पर खड़ी दिखाई देती है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर स्थानीय प्रवक्ताओं तक ने देश में एक ऐसा आभासी माहौल बना दिया था कि देश की जनता तो हमें छप्पर फाड़कर जिताना चाहती है, लेकिन सरकारी मशीनरी ईवीएम में गुप्त हेरफेर करके हमारे वैध वोट चुरा लेती है। हालिया हरियाणा विधानसभा चुनाव हो या देश के अन्य बड़े चुनाव, कांग्रेस ने हमेशा इसी विक्टिम कार्ड का इस्तेमाल करके अपनी सांगठनिक कमजोरियाँ पर पर्दा डाला। लेकिन 28 विधान परिषद सीटों के इन बैलेट पेपर वाले परिणामों ने कांग्रेस को तार्किक रूप से एक ऐसे बंद कमरे में ला खड़ा किया है, जहां से निकलने

आपी समूह के व्यक्तियों (जैसे—तुलसी गबाई, काश पटेल) को नियुक्त किया था। लेकिन यह बहुत टिकाऊ साबित नहीं हुआ।

तुलसी गबाई ने स्वयं 22 मई, 2026 को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने इस्तीफे की मुख्य वजह अपने पति अब्राहम विलियम्स का बोन कैन्सर से पीड़ित होना बताई थी, जिसके चलते वह अपने परिवार के साथ रहना चाहती थीं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि ईरान नीति और विदेशी मामलों पर उनके डोनाल्ड ट्रंप से मतभेद थे और उन्हें बड़े फैसलों से दरकिनार किया जा रहा था। काश पटेल भी एफबीआई के निदेशक के पद पर बने हुए हैं। हालांकि, अप्रैल 2026 में उनकी कार्यशैली, शराब की लत और अनुपस्थिति को लेकर द अटलांटिक की एक रिपोर्ट के बाद उनके इस्तीफे या हटाए जाने की अटकलें जरूर तेज हुई थीं। फिर भी, काश पटेल को ट्रंप ने लो-प्रोफाइल में रखा है।

यह जगजाहिर है कि ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के ‘माई डियर फ्रेंड’ वाले रिश्ते सहज नहीं रहे। 22 सितंबर 2019 को ह्यूस्टन के एनआरजी स्टेडियम में आयोजित ‘हाउडी मोदी’ जैसे मेगा इवेंट का इतिहास दोहराया नहीं जा सका। रूस से लगातार कच्चा तेल खरीदना भी दोनों नेताओं के बीच अनबन की एक बड़ी वजह बनी। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने की दावेदारी और एपस्टीन फाइल्स जैसे विवादित विषयों को उठाकर ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी पर मानसिक दबाव बनाते रहे।

भारत-अमेरिका व्यापार संधि को ट्रंप प्रशासन ने अत्यधिक जटिल बना रखा है। ट्रंप प्रशासन की ओर से समय-समय पर टैरिफ दरों और शर्तों में बदलाव (जैसे—10 प्रतिशत, 15 प्रतिशत, 19 प्रतिशत या 25 प्रतिशत तक के जवाबी शुल्क का मुद्दा) से दोनों पक्षों के बीच भरोसा कायम करने में चुनौतियां आई हैं।

अब ट्रंप मध्यावधि चुनाव में जीतें या हारें, उससे पीएम मोदी को क्या फर्कता है? बल्कि, ट्रंप यदि हारते हैं, तो मोदी पर उनके प्रहार की धार कम हो जाएगी। आप 2020 का मंजर याद कीजिए। ट्रंप की जीत के लिए भारत में पंजाबियों और हिंदू समूहों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना, हवन और महायज्ञ किए गए थे। सवाल है, अब ये हिंदू संगठन ट्रंप के लिए पूजा-पाठ, हवन इत्यादि क्यों नहीं करवा रहे?

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

का अब कोई वैचारिक रास्ता नहीं बचा है।

अब यक्ष प्रश्न यह उठता है कि क्या कांग्रेस कर्नाटक और बिहार के इन करारे परिणामों के बाद भी ‘वोट चोरी’ का वही पुराना विलाप कर सकती है? जहां हर एक मतपत्र पर प्रत्येक वोट ने अपने हाथ से पेन के जरिए अपनी प्राथमिकता दर्ज की थी, जहां मतपेटियों को सील करने से लेकर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा और निगरानी तक कांग्रेस के अपने अधिकृत कार्डिंग एजेंट चौबीसों घंटे तैनात थे, वहां कांग्रेस की इस सांगठनिक दुर्गति का आखिर क्या बहाना होगा? विशेष रूप से कर्नाटक जैसे राज्य में, जहां गृह विभाग से लेकर पूरा प्रशासनिक और पुलिस अमला खुद कांग्रेस सरकार के अधीन कार्य कर रहा है, वहां बैलेट पेपर पर भाजपा-जेडीएस गठबंधन कैसे क्तीन स्विप कर गया?

इस पराजय ने विरोधी दलों को एक अचूक और अकाट्य राजनैतिक ब्रह्मसूत्र थमा दिया है। अब भाजपा का यह तंज तार्किक रूप से बिल्कुल सही प्रतीत होता है कि कांग्रेस को देश की जागरूक जनता, चुनाव आयोग और ईवीएम तकनीक से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। तब कोई राजनैतिक दल अपनी वास्तविक सांगठनिक बीमारियों का इलाज करने के बजाय एक काल्पनिक दुश्मन खड़ा कर लेता है, तो वह आत्ममुग्धता का शिकार हो जाता है, और यही कांग्रेस के पतन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। इन चुनावों की अंतर्निहित प्रकृति को समझना भी बेहद आवश्यक है। यह कोई सामान्य, भावुक, मुफ्त की घोषणाओं या पारंपरिक जागित समीकरणों पर लड़ा जाने वाला आम चुनाव नहीं था।

वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

चांदनी करे चांद के दर्शन, सुहाग की छलनी-छलनी जेब से

असली कर्वाचीथ वह है, जिसमें रिश्ते में प्यार हो, व्यवहार में सम्मान हो और घर में इतना सुकून हो कि किसी को अपनी खुशी साबित करने के लिए दुनिया के सामने विज्ञापन न करना पड़े। कर्वाचीथ का चांद तो आज भी वही है, लेकिन उसके इंतजार की तैयारी इतनी महंगी हो गई है कि लगता है, चांद को देखने से पहले बैंक बैलेंस देखना जरूरी हो गया है। कर्वाचीथ के व्रत पर एक पति की टिप्पणी है और, भूखी-प्यासी रहण का नाम त्रत सै या पूरा दिन मेकअप की दुकान बने बैठण का? पहले चांद की बात देखा करैं थे, अब चांद भी सोचता होगा कि मैं निकलूं या पहले इनकी रील पूरी होण दू? चांद बेचारा ऊपर से इन व्रतधारी औरतों को देखकर सोच में पड़ गया है कि निकलना तो चमक कर उसे था, पर ये छोरियां मुझसे ज्यादा चमकने की तैयारी क्यूं कर री हैं?

असल में कर्वाचीथ प्रेम और आस्था का पर्व था। अब यह बाजार, ब्रांड और बजट का त्योहार बनता जा रहा है। पहले तो बहू-बेटियां चांद देखकर व्रत खोल लिया करती थीं, अब चांद देखने से पहले पालर, डिजाइनर कपड़े, मेकअप, फोटोशूट और इंस्टाग्राम की हाजिरी जरूरी हो ली है। बाजार वालों ने भी परंपराओं की नज पकड़ ली है। इसीलिए कर्वाचीथ पर बाजार वालों की चांदी है। कर्वाचीथ स्पेशल साड़ी, कर्वाचीथ स्पेशल ज्वेलरी, कर्वाचीथ स्पेशल थाली, कर्वाचीथ स्पेशल गिफ्ट और कर्वाचीथ स्पेशल मेकअप और मेहंदी। त्योहारों की इस महंगई ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर भी तोड़नी शुरू कर दी है। जिसके पास पैसा है, वह खर्च करे, इसमें बुराई नहीं। लेकिन जिसके पास सीमित आमदनी है, वह भी दूसरों की देखा-देखी अपनी जेब ढीली करता है। हमने त्योहारों को अपनी आर्थिक हैसियत दिखाने का मंच बना दिया है। व्रत-पूजा में भक्ति कम और सजावट ज्यादा, रिशतों में अपनापन कम और प्रदर्शन ज्यादा हो गया है।

सोशल मीडिया के युग में कर्वाचीथ का व्रत रखने के साथ-साथ यह भी जरूरी हो गया है कि दुनिया को पता चले कि व्रत रखा गया है। अब व्रत पति की लंबी उम्र के लिए है या इंस्टाग्राम पर लंबी रील के लिए, यह शोध का विषय है। असली कर्वाचीथ वह नहीं, जिसमें छलनी सोने की हो, साड़ी हजारों की हो और फोटो पर लाखों लाइक आएँ। असली कर्वाचीथ वह है, जिसमें रिश्ते में प्यार हो, व्यवहार में सम्मान हो और घर में इतना सुकून हो कि किसी को अपनी खुशी साबित करने के लिए दुनिया के सामने विज्ञापन न करना पड़े। एक बार की बात है अक करवा के व्रत पे नथू अपनी घरआली के लाइवड्राइते होये बोल्या अक आज तो मैं चाहूँ सू अक तर्नें तेरी मनपसंद का गिफ्ट दुवाकै ल्याऊं। रामप्यारी बोझी—गिफ्ट तो रण दे बस ते मैरें गैल ढंगसिर बोल लिया कर। नथू ने एक मिन्ट सोच्यो और फेर बोल्या—ना मैं तो गिफ्ट ए दूंगा।

खास खबर



बाढ़ आपदा से निपटने तैयार हो रही जल मित्रों की टीम

बिलासपुर। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जनहानि रोकने और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर जल मित्रों की टीम तैयार की जा रही है। इसके लिए जिले के विभिन्न अनुभागों एवं तहसीलों से चयनित 57 कोटवारों, मछुआरों, गोताखोरों और कुशल तैराकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा की स्थिति में स्थानीय स्तर पर ही प्रशिक्षित लोगों की मदद से तत्काल बचाव कार्य शुरू करना और जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचाना है। अरिनशमन, आपातकालीन सेवाएं एवं एसडीआरएफ प्रशिक्षण केंद्र, पसदा में 26 से 30 अक्टूबर तक आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बाढ़ से बचाव की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान मोटर बोट (ओबीएम) के संचालन, पानी में डूबते लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने, तैराकी की विभिन्न तकनीकों तथा लाइफ जैकेट और लाइफ ब्वॉय के सही उपयोग की जानकारी दी जा रही है। साथ ही राहत एवं बचाव कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों और सामग्रियों से भी प्रशिक्षणार्थियों को परिचित कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से जिले में ऐसे जल मित्रों की टीम विकसित की जा रही है, जो बाढ़ एवं जलभराव जैसी आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित बचाव दल की उपलब्धता से आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रशिक्षणार्थी भी पूरे उत्साह के साथ बचाव की तकनीकें सीख रहे हैं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ ममता साहू की अध्यक्षता में 28 प्रकरणों की हुई सुनवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में जिला रायपुर के प्रकरणों की जनसुनवाई हुई। संभाग प्रभारी सदस्य श्रीमती सरला कोशरिया एवं सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी भी उपस्थित रहीं। जिले के 50 प्रकरणों में अब तक 28 की सुनवाई की गई है, जिनमें 7 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए।

एक मामले में अनावेदक ने आवेदिका को 4 नवंबर को एकमुश्त 5 लाख रुपये देने की सहमति दी। आवेदिका 31 अक्टूबर को महिला पुलिसकर्मी एवं सखी वन स्टॉप सेंटर की टीम के साथ ससुराल जाकर अपना सामान ले सकेंगी। संपत्ति विवाद में ग्राम बिरकोनी स्थित 2 एकड़ खेत और छेरीखेड़ी स्थित मकान का एक माह में आवेदिका के नाम पंजीयन कराने तथा बच्चों का टीसी दिलाने के



निर्देश दिए गए।

एक घरेलू विवाद में आवेदिका को विधिक सहायता उपलब्ध कराने, सहमति के मामले में अनावेदक को मारपीट न करने और आवेदिका को प्रतिमाह 5 हजार रुपये देने के निर्देश दिए गए। दिव्यांग आवेदिका को लिफ्ट नवंबर तक ठीक कराने मोहलत दी गई। शादी का झांसा देकर देहिक शोषण के मामले में धारा 64(2)(उ) तथा पाँचसौ अधिनियम के तहत

प्राथमिकी दर्ज की गई। तीन प्रकरणों में अनावेदकों की अनुपस्थिति पर आगामी सुनवाई में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। सुनवाई में रायपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मंजू थदानी, डीएसपी स्नेहा सिंह, दिव्यांग आवेदिका को लिफ्ट नवंबर तक ठीक कराने मोहलत दी गई। शादी का झांसा देकर देहिक शोषण के मामले में धारा 64(2)(उ) तथा पाँचसौ अधिनियम के तहत

समान नागरिक संहिता का प्रारूप करने जनभागीदारी

किसी समूह की धार्मिक आस्था और पूजा पद्धति में नहीं होगा कोई हस्तक्षेप : शत्रुघ्न

- बिलासपुर में आठ जिलों के प्रतिनिधियों ने रखे सुझाव

- 30 अक्टूबर तक ऑनलाइन भी दे सकेंगे सुझाव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने की प्रक्रिया में नागरिकों और विभिन्न संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए बिलासपुर में संभाग स्तरीय समूह चर्चा एवं परामर्श बैठक आयोजित की गई। देवकी नंदन दौक्षित सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में आयोजित बैठक में आठ जिलों के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों सहित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार और सुझाव रखे। विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में राज्य शासन द्वारा गठित समान नागरिक संहिता उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी शत्रुघ्न सिंह और एम.के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्य ज्योति रानी सिंह, रायपुर संभागयुक्त एवं समिति के सचिव श्याम धावड़े तथा बिलासपुर संभागयुक्त सुनील जैन के समक्ष



समान नागरिक संहिता के प्रारूप तैयार करने बिलासपुर संभाग के आठ जिले से आए प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव रखे।

समिति के सदस्य शत्रुघ्न सिंह ने समान नागरिक संहिता की पृष्ठभूमि और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पारिवारिक विषयों से संबंधित दो दर्जन से अधिक कानून एवं प्रावधान प्रचलित हैं, जिनमें अनेक भिन्नताएं हैं। समान नागरिक संहिता पर विचार का उद्देश्य इन विषयों में समानता को बढ़ावा देना तथा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को अधिक सुदृढ़ बनाना है।

शत्रुघ्न सिंह ने संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता रेखांकित की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समान नागरिक संहिता के अंतर्गत किसी भी धर्म की पूजा-पद्धति, धार्मिक आस्था और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। इसका संबंध विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे नागरिक एवं पारिवारिक विषयों से है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों और वर्तमान कानूनी व्यवस्थाओं के

30 अक्टूबर तक वेबसाइट और ई-मेल से भी दे सकते हैं सुझाव

बैठक में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समान नागरिक संहिता की अवधारणा और इससे संबंधित प्रमुख विषयों की जानकारी दी गई। आम नागरिक एवं संगठन 30 अक्टूबर तक आधिकारिक वेबसाइट "ucc.cgstate.gov.in" (<http://ucc.cgstate.gov.in>) पर अपने सुझाव दे सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए ई-मेल पता ucc-chhattisgarh@cg.gov.in भी उपलब्ध कराया गया है।

सुधारों से जुड़े अनेक पहलू सामने आए। समिति के सदस्यों ने आश्चर्य किया कि सभी सुझावों का अध्ययन कर प्रारूप तैयार किया जाएगा।

समिति छत्तीसगढ़ की वर्तमान विधिक स्थिति के साथ ही अन्य राज्यों में प्रचलित व्यवस्थाओं का भी अध्ययन कर रही है। नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों एवं अन्य हितधारकों के सुझावों और विधिक अध्ययन के आधार पर संहिता का प्रारूप राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ आवश्यक विधायी एवं प्रशासनिक अनुशंसाएं भी दी जाएंगी।

इस अवसर पर रजक समाज के अध्यक्ष निलेश रजक, मराठा समाज के अध्यक्ष शशांक चौहान, जायसवाल समाज के अध्यक्ष रमेश जायसवाल, यादव समाज के अध्यक्ष यशवंत यादव, मुस्लिम समाज के मुरजता वनक, राष्ट्रीय स्वयं सेवी संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, साहू समाज से ललित साहू, राजमहंत दसोराम खाण्डे, प्रतिष्ठित नागरिक सुधीर खंडेलवाल, समाज सेवी/पत्रकार हबीब मेनन, वंदे मातरम मित्र मंडल बिलासपुर से महेंद्र जैन, एडवोकेट नसीमुद्दीन अंसारी बिलासपुर, आदिवासी गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्याम, विष्णु सोनी एल्डरमैन बिलासपुर, सूर्यकुमार खूटे शिक्षाविद कोरबा, विकास शर्मा जांजगीर, वेदप्रकाश अग्रवाल बिलासपुर, पूर्व विधायक जिला बिलासपुर चंद्रप्रकाश बाजपेई के साथ ही सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों, नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कैंसर से जंग जीत चुके मरीजों की देखभाल पर फोकस, 49 डॉक्टरों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कैंसर देखभाल सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और इको इंडिया ने संयुक्त पहल की है। इसके तहत चिकित्सा अधिकारियों के लिए कैंसर सर्वाइवरशिप सीसीबी इको प्रोग्राम का प्री-लॉन्च एवं ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से कैंसर का उपचार पूरा कर चुके मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

कैंसर का उपचार पूरा होने के बाद भी मरीजों को नियमित फॉलो-अप, उपचार के दुष्प्रभावों के प्रबंधन, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता और पुनर्वास की जरूरत होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों को कैंसर सर्वाइवरशिप केयर के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि मरीजों को उपचार



के बाद भी समग्र देखभाल और उचित मार्गदर्शन मिल सके। कार्यक्रम में एनपी-एनसीडी के उप संचालक डॉ. संजीव मेश्राम राज्य सलाहकार सुश्री अभिलाषा शर्मा उपस्थित रहीं। दोनों अधिकारियों ने कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान, उपचार के बाद मरीजों की देखभाल तथा नियमित फॉलो-अप के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कैंसर के उपचार के बाद भी मरीजों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं और समग्र देखभाल उपलब्ध कराना जरूरी है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य में कैंसर देखभाल सेवाओं को और सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाएंगे।

चिप फाउण्डेशन की ओर से डॉ. शेखर गोवर्धन ने रिसोर्स पर्सन के रूप में योगदान दिया। संस्था इस कार्यक्रम के शैक्षणिक केंद्र के रूप में सहयोग कर रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत आठ मॉड्यूल पर आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता विकसित की जाएगी, ताकि वे कैंसर से उबर चुके मरीजों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझकर उन्हें नियमित निगरानी, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और उचित मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

सरगुजा ओलंपिक में 4.16 लाख खिलाड़ियों ने किया पंजीयन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में दूसरी बार हो रहे सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के 6 जिलों के कुल 4 लाख 16 हजार 813 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 69 हजार 45 अधिक है। सभी छह जिलों में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न हो चुकी हैं। विकासखंड स्तरीय स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। जिला स्तर के विजेता आगामी नवम्बर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय मुकाबलों में अपने जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की पहल पर सरगुजा क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक और खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने पिछले वर्ष से सरगुजा ओलंपिक का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने का भी लक्ष्य है। इस सोच को धरातल पर उतारने विकासखंड, जिला और संभाग



स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

सरगुजा संभाग के सभी छह जिलों में 1 अक्टूबर से 10

अक्टूबर के बीच विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तरीय

स्पर्धाओं में भागीदारी करेंगे। हॉकी और कुश्ती की प्रतियोगिताएं सीधे जिला स्तर पर आयोजित की जा रही हैं। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-

पंजीयन में महिलाएं आगे, सूरजपुर से सर्वाधिक खिलाड़ी

इस साल के सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक पंजीयन किया गया था। इस दौरान 1 लाख 73 हजार 884 पुरुषों और 2 लाख 42 हजार 929 महिलाओं ने पंजीयन कराया। विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुष खिलाड़ियों से करीब 40 प्रतिशत अधिक है। सरगुजा ओलंपिक में हिस्सेदारी के लिए सूरजपुर जिले से सर्वाधिक 99 हजार 322 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज के 91 हजार 995, सरगुजा के 90 हजार 116, जशपुर के 74 हजार 809, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 33 हजार 676 और कोरिया के 26 हजार 895 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। महिला संकुल संगठनों को उद्यम के रूप में विकसित कर उन्हें सौरत सिस्टम की स्थापना, संचालन और रखरखाव जैसी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखपति दीदी के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास है।

द्वीप योजना के प्रारंभिक क्रियान्वयन में कबीरधाम जिले में बिहान मिशन के अंतर्गत वंदेमातरम् महिला संकुल स्तरीय संगठन को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत किया गया है। यहां स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

द्वीप्टि योजना से 801 सोलर दीदी बनेंगी आत्मनिर्भरता की पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। द्वीप योजना से छत्तीसगढ़ की 801 महिलाएं बनेंगी सौर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई पहचानछत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं अब स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। कभी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं अब सौर ऊर्जा जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'द्वीपि योजना' (डीडब्ल्यूईपीटीआई) ग्रामीण महिलाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़कर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं गांव-गांव सौर ऊर्जा का उजियारा पहुंचाने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं।

प्रदेश में अब तक बिहान मिशन से जुड़ी 801 महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में चिन्होंकित



किया गया है। वहीं 19 संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) का सोलर वेंडर के रूप में पंजीयन किया जा चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों में 94 सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं तथा 415 सोलर स्थापना के प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं।

द्वीपि योजना का पूरा नाम 'डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिंसी फॉर

ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन' है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के अंतर्गत विकसित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की मुख्यधारा से जोड़ना है।

योजना की विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं को

केवल सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाली हितग्राही नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में वेंडर, तकनीशियन, प्रबंधक और उद्यमी के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के संकुल स्तरीय संगठनों को अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत कर उन्हें व्यवसाय संचालन का अवसर दिया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। महिला संकुल संगठनों को उद्यम के रूप में विकसित कर उन्हें सौरत सिस्टम की स्थापना, संचालन और रखरखाव जैसी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लखपति दीदी के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास है।

द्वीप योजना के प्रारंभिक क्रियान्वयन में कबीरधाम जिले में बिहान मिशन के अंतर्गत वंदेमातरम् महिला संकुल स्तरीय संगठन को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत किया गया है। यहां स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

JATU'Z CUT N SHINE

93009-11331

रंगोली वैगलस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2

PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स

ऑर्फिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539



‘पापा ने मेरे लिए किसी से भीख नहीं मांगी’ फिल्मों में काम दिलाने पर सैफ को लेकर बोलीं सारा

अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म ‘उड़ता तीर’ को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, ‘मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूँ। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे ‘केदारनाथ’ के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।’

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ

डाल दिया जाता है।

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि ‘नेपोटिज्म’ (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था।

इंडस्ट्री में टिके रहने पर बोलीं सारा

सारा ने यह तो माना कि उन्हें और उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

सारा अली खान का वर्कफ्रंट

सारा हाल ही में निर्देशक आकाश ए. कौशिक की फिल्म ‘उड़ता तीर’ में नजर आईं। फिल्म में आयुष्मान खुराना, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म छह दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 26.87 करोड़ रुपये कमाए हैं।

रामायण के 7 दिनों में बिके बंपर टिकट एडवांस बुकिंग से 13.14 करोड़ रुपये हुई कमाई



आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 6 बजे के बाद भी 2.77 लाख रुपये मूल्य के टिकटों की बुकिंग हुई। हालांकि, अग्रिम बुकिंग के शुरुआती आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन फिल्म की वास्तविक सफलता का आकलन सिनेमाघरों में प्रदर्शन शुरू होने के बाद ही हो सकेगा।

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘रामायण’ सिनेमाघरों में 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म की अग्रिम टिकट बुकिंग दशहरा के अवसर पर 20 अक्टूबर को शुरू हुई थी। शुरुआती दिनों में ही फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिलती दिखाई दे रही है। अभिनेता रणबीर कपूर अभिनीत इस फिल्म ने अग्रिम टिकट बिक्री के जरिए अब तक 13.14 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

फिल्मों की कमाई और टिकट बिक्री के आंकड़े उपलब्ध कराने वाली वेबसाइट सैकनलिक के अनुसार, देशभर में ‘रामायण’ के लगभग 2.43 लाख टिकट बिक चुके हैं। ताजा

भाषा के आधार पर देखें तो ‘रामायण’ की अग्रिम बुकिंग में हिंदी सबसे आगे है। हिंदी संस्करण से अब तक 11.34 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की गई है। इसके बाद कन्नड़ संस्करण का स्थान है, जिसने 1.38 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वहीं, तेलुगु संस्करण से 42.33 लाख रुपये की कमाई हुई है। क्षेत्रवार अग्रिम बुकिंग के मामले में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सबसे आगे है।

यहां फिल्म के 35,085 टिकट बिकने से 2.62 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। मुंबई दूसरे स्थान पर है, जहां 27,875 टिकटों की बिक्री से 1.94 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। फिल्म में रणबीर कपूर और सैफ के साथ साई पल्वी, सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल और लारा दत्ता सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्या श्रद्धा की किस्मत बदलेगी ईशा?

4 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज....

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म ‘ईशा’ की रिलीज तारीख आखिरकार तय हो गई है। यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। निर्माताओं की ओर से फिल्म का पूर्वावलोकन इसी सप्ताह जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। जून में जारी फिल्म की पहली झलक को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी, जिसके बाद से ही इसके प्रदर्शन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

पहले ‘ईशा’ को आगस्त 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई। इसके बावजूद फिल्म को लेकर दर्शकों

की दिलचस्पी कम नहीं हुई है। अब दिसंबर में इसके प्रदर्शन की नई तारीख तय होने से प्रशंसकों का इंतजार एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

‘ईशा’ को श्रद्धा कपूर के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म के कथानक और उनके किरदार को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता है। हालांकि, फिल्म की कहानी और अन्य प्रमुख विवरणों को लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

लक्ष्मण उतेकर अपने निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। जून में जारी पहली झलक ने फिल्म के प्रति आकर्षण बढ़ाया था। अब इसी सप्ताह पूर्वावलोकन जारी होने की खबर से दर्शकों को फिल्म की कहानी, पात्रों और प्रस्तुति के बारे में अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है।

‘ईशा’ की नई रिलीज तारीख के साथ फिल्म उद्योग में इसके प्रदर्शन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। श्रद्धा कपूर की लोकप्रियता और फिल्म के प्रति शुरुआती उत्सुकता को देखते हुए इसे दिसंबर 2026 की चर्चित फिल्मों में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

अब दर्शकों की नजर फिल्म के पूर्वावलोकन और निर्माताओं की ओर से जारी होने वाली अन्य जानकारीयों पर है। फिल्म को दर्शकों से कैसी प्रतिक्रिया मिलती है, यह इसके प्रदर्शन के बाद ही स्पष्ट होगा।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर : आपटर डार्क का ऐलान इस बार शनाया कपूर लगाएंगी डर का तड़का

फिल्म निर्माता करण जोहर की चर्चित फिल्म श्रृंखला ‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर’ के तीसरे भाग की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। हालांकि, इस बार दर्शकों को एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। धर्मा प्रोडक्शंस इस बार फिल्म के बजाय वेब श्रृंखला के रूप में इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहा है। ‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आपटर डार्क’ नाम की इस श्रृंखला में अभिनेत्री शनाया कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।



निर्माताओं ने श्रृंखला का प्रोमो जारी कर इसकी कहानी की झलक दिखाई है। प्रोमो से संकेत मिलता है कि इस बार सेंट टेरेसा स्कूल की दुनिया पहले की तरह केवल रोमांस और युवा प्रेम कहानियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें रहस्य, भय और रोमांच का गहरा पुट देखने को मिलेगा। शनाया कपूर की झलक के साथ सामने आया प्रोमो इस लोकप्रिय श्रृंखला के बदले हुए अंदाज और गंभीर कहानी की ओर इशारा करता है। ‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आपटर डार्क’ में युवाओं के जीवन के अंधेरे पहलुओं को रहस्यमयी और गंभीर घटनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। इस बार कहानी में नए कलाकार भी शामिल होंगे। शनाया कपूर के अलावा मान्या ग्रोवर, दिव्यिक शर्मा, आदि मलिक और अभिनव सिंह भी श्रृंखला का हिस्सा होंगे। इस वेब श्रृंखला का निर्देशन पुरस्कार विजेता लघु फिल्म निर्देशक रोमा माया ने किया है। उनके निर्देशन में तैयार यह श्रृंखला लोकप्रिय फिल्म श्रृंखला को एक नए कथानक और अलग शैली में पेश करेगी।

‘स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आपटर डार्क’ का प्रसारण 13 नवंबर, 2026 को जियोहॉटस्टार पर होगा। अब दर्शकों की नजर इस बात पर है कि करण जोहर की लोकप्रिय युवा-केंद्रित श्रृंखला का यह नया और रहस्यमयी रूप कितना आकर्षित कर पाता है।

बच्चे को पाउडर लगाने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

बच्चों की देखभाल करते समय माता-पिता कई चीजों का ध्यान रखते हैं। इनमें से एक है पाउडर का इस्तेमाल। पाउडर का उपयोग बच्चों की त्वचा को ताजगी देने और पसीने को सोखने में मदद करता है। हालांकि, पाउडर का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि बच्चे की त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए पाउडर का उपयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पाउडर का चयन करते समय रखें इन बातों का ध्यान

बच्चे के लिए पाउडर खरीदते समय उसकी सामग्री पर ध्यान दें। ऐसे पाउडर चुनें, जिनमें प्राकृतिक तत्व हों और किसी भी तरह के हानिकारक रसायन न हों।

टैल्कम पाउडर से बचें क्योंकि इसमें टैल्क नामक तत्व होता है, जो सांस की समस्या पैदा कर सकता है। इसके बजाय मक्के के आटे पर आधारित पाउडर का चयन करें, जो सुरक्षित और प्राकृतिक होता है। इसके अलावा खुशबू वाले पाउडर लेने से भी बचें।

नहाने के बाद ही पाउडर का करें इस्तेमाल

बच्चे की त्वचा को ताजगी देने के लिए पाउडर का इस्तेमाल नहाने के बाद करना चाहिए। नहाने से पहले पाउडर न लगाएं क्योंकि इससे त्वचा की स्वाभाविक नमी खत्म हो सकती है।

नहाने के बाद जब त्वचा हल्की गीली होती है, तब पाउडर लगाने से वह अच्छी तरह अवशोषित हो जाता है और त्वचा को सूखा और ताजगी भरा महसूस होता है। इससे पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है।



सही मात्रा में ही लगाएं पाउडर

पाउडर लगाने की मात्रा बहुत जरूरी है। ज्यादा मात्रा में पाउडर लगाने से बच्चे की त्वचा पर चकते हो सकते हैं या खुजली हो सकती है। हमेशा जरूरत के हिसाब से ही पाउडर लगाएं। थोड़ी मात्रा में पाउडर लगाना ही काफी होता है ताकि वह अच्छी तरह फैल सके और पूरी तरह से अवशोषित हो जाए। इससे बच्चे की त्वचा सूखी रहती है और पसीना भी आसानी से सोख लिया जाता है।

आंखों और मुंह से दूर रखें

पाउडर लगाते समय ध्यान रखें कि वह बच्चे की आंखों और मुंह से दूर रहे। अगर पाउडर आंखों में चला जाए तो जलन हो सकती है और मुंह में जाने पर असुविधा हो सकती है। इसके लिए पहले हाथों पर थोड़ी मात्रा में पाउडर लें, फिर उसे धीरे-धीरे बच्चे की पीठ, गर्दन और अन्य हिस्सों पर लगाएं। इस तरह पाउडर सही तरीके से लगेगा और बच्चे की त्वचा भी सुरक्षित रहेगी।

खांसी एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी गुजरता है। इसे दूर करने के लिए कई लोग शहद का सेवन करते हैं। शहद में कीटाणुओं को रोकने वाले और शरीर के लिए फायदेमंद गुण होते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, शहद का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि खांसी के लिए शहद का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
शहद का चयन कैसे करें?

खांसी के लिए अच्छा शहद चुनना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार के शहद उपलब्ध हैं, लेकिन सभी एक जैसे होते।

असली और प्राकृतिक शहद ही सबसे ज्यादा असरदार होता है। इसलिए हमेशा भरोसेमंद और प्रमाणित शहद खरीदें। इसके अलावा बिना किसी प्रक्रिया के

खांसी का इलाज बन सकता है शहद लेकिन इन 5 बातों का रखें खास ध्यान



तैयार किया गया शहद भी अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इसमें सभी पोषक तत्व बने रहते हैं।

सही मात्रा में सेवन करें

शहद की मात्रा का ध्यान रखना भी अहम है। जरूरत से ज्यादा शहद खाने से नुकसान हो सकता है।

आमतौर पर एक चम्मच शहद रोजाना पर्याप्त होता है। इसे खाली पेट या हल्के गुनगुने पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और खांसी में भी राहत मिलेगी। इसके अलावा शहद का सीमित सेवन

करने से आपको अधिक लाभ होगा और आप स्वस्थ रहेंगे।

बच्चों के लिए विशेष सावधानी बरतें

बच्चों के लिए शहद का सेवन करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। एक साल से छोटे बच्चों को शहद न दें क्योंकि इसमें कुछ हानिकारक तत्व हो सकते हैं, जो उनके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसके अलावा छोटे बच्चों की खांसी का इलाज करने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें ताकि उनकी सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत

जरूरी है, इसलिए उन्हें शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही दें।

गर्भवती महिलाओं के लिए क्या है सही?

गर्भवती महिलाओं को भी शहद का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिससे महिला की सेहत प्रभावित हो सकती है।

इसलिए गर्भवती महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही किसी भी प्रकार का आहार परिवर्तन करें।

इसके अलावा वे अपनी डाइट में शहद शामिल करने से पहले उसकी मात्रा और गुणवत्ता पर ध्यान दें।

डॉक्टर की सलाह लें

अगर आपको खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं होती या बहुत ज्यादा परेशान कर रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शहद एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है, लेकिन यह हर स्थिति में कारगर नहीं होता। डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान कर सकते हैं और उचित इलाज बता सकते हैं। इस प्रकार इन बातों का ध्यान रखकर आप सुरक्षित तरीके से शहद का उपयोग करके अपनी खांसी को कम कर सकते हैं।

खास-खबर

3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी धान खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की व्यवस्था को किसान हितैषी कदम बताते हुए मुंगेली जिले के ग्राम बोदा निवासी श्री नंद्राम अंचल ने शासन की सराहना की है। नंद्राम ने कहा कि धान खरीदी की यह व्यवस्था किसानों के परिश्रम को उचित महत्व देने और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। खेती-किसानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐसे में किसानों की उपज के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा शासन की किसान कल्याणकारी योजनाएं उनके लिए आर्थिक सहारा बनती हैं।

युवा रत्न सम्मान 2026-27 के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन

मोहला। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए युवा रत्न सम्मान हेतु पात्र युवाओं एवं स्वेच्छिक संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवाओं एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित कर उनकी प्रतिभा और समाज के प्रति उनके योगदान को सम्मानित करना है। इच्छुक पात्र आवेदक 30 अक्टूबर 2026 तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। युवा रत्न सम्मान के अंतर्गत सामाजिक कार्य, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा कला, संगीत एवं लोक कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवाओं का चयन किया जाएगा। एक लाख रुपये की नकद राशि, पदक, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

डिजिटल सुविधाओं से परिवहन सेवाओं में आई सुगमता आवेदकों को घर बैठे मिल रही ऑनलाइन सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा नागरिकों को सरल, सुगम एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा रही है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन संबंधी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन ऑटो अफ्फवल से जोड़ दिया गया है। इससे आवेदकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए परिवहन कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और वे अपने मोबाइल के माध्यम से ही ऑनलाइन आवेदन कर इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। कबीरधाम

जिले के परिवहन अधिकारी ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 53 करोड़ 94 लाख 18 हजार 242 रुपये के राजस्व की प्राप्ति की गई। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जुलाई 2026 तक 16 करोड़ 53 लाख 78 हजार 531 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कई सेवाओं को आधार नंबर आधारित ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के माध्यम से ऑटो अफ्फवल की सुविधा से जोड़ा गया है। इनमें लाइसेंस का नवीनीकरण, पता परिवर्तन तथा लाइसेंस की द्वितीय

प्रति प्राप्त करने जैसी सेवाएं शामिल हैं। इस व्यवस्था से आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा हो रही है। ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ वाहन संबंधी सेवाओं को भी ऑनलाइन और सरल बनाया गया है। आधार नंबर आधारित आवेदन के माध्यम से वाहन की आरसी बुक की द्वितीय प्रति, नामांतरण, पता परिवर्तन, वित्तपोषक का नाम दर्ज कराने तथा वित्तपोषक का नाम निरस्त कराने जैसी कार्यों में ऑनलाइन ऑटो अफ्फवल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के डिफेंडर्स का बेहतरीन प्रदर्शन, मैच 1-1 से ड्रॉ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आज के कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई।

इस नतीजे का मतलब है कि टाइटन्स को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। सांसद संतोष पाण्डेय, न्यूज24 मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के संपादक मनोज बघेल, छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन के सचिव प्रशांत रघुवंशी, बाल्को के असिस्टेंट मैनेजर रोहताश, बॉडी बिल्डिंग रेस्मी संजय शर्मा, चर्पटन अधिकारी संतोष रैदास और एसबीआई के एजीएम रामदास मांझी भी आज का मैच देखने स्टेडियम पहुंचे थे।

उन्होंने मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। लीग के अब तक के मैचों में भले ही फॉरवर्ड और अटेक लाइन को ज्यादा तारीफमिली हो, लेकिन आज दोनों टीमों का डिफेंस काबिल-ए-तारीफ रहा। दोनों ही टीमों ने अब तक लीग में



10 से कम गोल खाए थे। ज्वाइंट टेबल में सबसे ऊपर चल रही इन दोनों टीमों के बीच पहला क्वार्टर भी कुछ ऐसा ही रहा। दोनों तरफसे कुछ हमले किए गए, लेकिन कोई भी कोशिश गोल में नहीं बदल सकी। 'चक्रवात अर्नब' के कारण हो रही भारी बारिश ने मैदान पर खेल को थोड़ा मुश्किल जरूर बना दिया था। इसके बावजूद सेमीफइनल में

जगह बना चुकी नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर के आखिर में गोल करके खाता खोला। केतन ने दूर्गामेंट का अपना छटा गोल किया, जब उन्होंने रिबार्डंड पर गेंद को कीपर के पार पहुंचा दिया। हाफ-टाइम तक नाइट्स 1-0 की बढ़त के साथ थे। तीसरे क्वार्टर में कोई खास हलचल नहीं हुई। नाइट्स के डिफेंस ने विरोधी फॉरवर्ड लाइन के

लिए गोल करना नामुमकिन कर दिया था। टीम ने सुनिश्चित कर लिया था कि सर्कल के अंदर कोई भी गेंद किसी खिलाड़ी के पैर से न छुए, जिससे स्कोर 1-0 पर ही टिका रहा। लेकिन जब मैच दांव पर लगा था, तो मैनपाट को कुछ खास करना ही था। उन्होंने अटैक में ज्यादा खिलाड़ियों को उतारा, जिसका नतीजा यह हुआ कि आखिरकार मोहित ने उनके लिए गोल कर दिया। केतन को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' का अवार्ड मिला, जबकि मोहित को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। 29 अक्टूबर को जब मैनपाट का मुकाबला संस्कारधानी स्ट्राइकर्स से होगा, तो उनके पास सेमीफइनल में जगह बनाने का मौका होगा।

मुख्यमंत्री साय ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. लरंग साय की प्रतिमा का किया वर्चुअल अनावरण

बलरामपुर जिले को 202.65 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, 1,863 कार्यों का भूमिपूजन और 146 कार्यों का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से बलरामपुर जिले के ग्राम चिरई-जसवंतपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री लरंग साय जी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बलरामपुर जिले को 202 करोड़ 65 लाख की लागत के 2,009 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 156 करोड़ 68 लाख के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन तथा 745 करोड़ 97 लाख के 146 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी जनसेवा के प्रति समर्पित ऐसे जनता थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, जनजातीय समाज और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए सदैव जनता के हितों को सर्वोपरि रखा।



जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा, समर्पण और जनकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय लरंग साय जी के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने, तभी से उन्हें काका लरंग साय जी के निकट संपर्क में आने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान काका जी अक्सर उनके निवास पर आया करते थे और कई बार वहीं ठहरते थे। उन्होंने काका जी से कहा था कि जब भी वे दिल्ली आएँ, उनके लिए निवास पर एक कमरा हमेशा आरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ भी स्वर्गीय लरंग साय जी के अत्यंत आत्मीय संबंध थे। अटल जी उनका विशेष सम्मान करते थे। काका जी का सहज स्वभाव, सरल जीवन और जनता के प्रति समर्पण उनकी विशिष्ट पहचान थी। सार्वजनिक जीवन में उनके आदर्श हम सभी के लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रवासियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने शंकरगढ़ स्थित बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के जर्जर भवन के स्थान पर नवीन विद्यालय भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही चांदी में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बड़े सामुदायिक भवन

बलरामपुर जिले में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बलरामपुर जिले को एक साथ बड़ी संख्या में विकास कार्यों की सौगात मिलना क्षेत्र की प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए कार्यों के भूमिपूजन से निर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी, वहीं पूर्ण हो चुके कार्यों से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। सड़क, अधोसंरचना और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरगुजा और बस्तर सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि विकास का लाभ अंतिम गाँव और अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे तथा हर नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिले।

जनजातियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों के पक्के आवास का सपना तेजी से साकार हो रहा है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार से माँगे गए 15 हजार अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवासों को भी स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हमारी सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत इन समुदायों के लिए लगभग 32 हजार आवास स्वीकृत किए गए हैं।

का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। आगामी 15 नवंबर से प्रदेश में धान खरीदी प्रारंभ होगी। इस वर्ष भी किसानों से 73,100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ अधिकतम 21

बच्चों की सुरक्षा के साथ उनकी कौशल और आत्मविश्वास को भी मिले अवसर: डॉ. वर्णिका शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी शिक्षा, रुचि और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर देना भी आवश्यक है। बाल संस्थानों में संरक्षण और विकास दोनों पहलुओं पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। यह बात छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने महासमुंद्र जिला के बागबाहरा प्रवास के दौरान प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास, बागबाहरा और बिहाइशर क्षेत्र में संचालित बालक गृह के निरीक्षण के दौरान कहा।

निरीक्षण में डॉ. शर्मा ने बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं, शैक्षणिक वातावरण, स्वच्छता और दैनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार कर बच्चों के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कन्या छात्रावास



में उन्होंने छात्राओं के कौशल विकास, रचनात्मकता और व्यक्तिगत निर्माण के लिए नियमित गतिविधियाँ आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने पुस्तकालय एवं रीडिंग रूम को व्यवस्थित और उपयोगी बनाने तथा परिसर में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी

दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि हर बच्ची को अपनी रुचि और क्षमता पहचानने तथा उसके अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियाँ और कौशल प्रशिक्षण उनके आत्मविश्वास तथा भविष्य की तैयारी को मजबूत करते हैं।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाली प्रत्येक बच्ची तक ऐसे अवसर पहुँचें, जिनसे वह अपनी प्रतिभा निखार सके, नए कौशल सीख सके और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। बिहाइशर स्थित बालक गृह में डॉ. शर्मा ने बड़े बच्चों को तीरंदाजी में रुचि और प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने इस प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन उनके सर्वांगीण विकास के लिए खेल, शिक्षा और कौशल को भी साथ लेकर चलना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ में अवैध प्रवासियों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई - विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज



विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में सभी जिलों के नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर अवैध प्रवासियों की पहचान, उनकी गतिविधियों को निगरानी और रोकथाम के लिए

व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सभी जिलों में एक साथ सुनियोजित अभियान चलाया जाए। प्रत्येक संदिग्ध मामले की गहराई से जांच कर उससे जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भारत को धर्मशाला नहीं बनने देना

है। किसी व्यक्ति का लंबे समय से भारत में निवास करना अपने आप में भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं है। आधार कार्ड, पैन कार्ड और राशन कार्ड जैसे पहचान संबंधी दस्तावेज नागरिकता के प्रमाण नहीं हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों की नागरिकता और निवास की वैधता का निर्धारण मानक प्रक्रिया और प्रचलित कानूनों के अनुसार किया जाए। उन्होंने बांग्लादेश से आए लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र कर उनका रिकॉर्ड तैयार करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा

कि सस्ते श्रम के लालच में कुछ औद्योगिक ठेकेदार, सड़क एवं भवन निर्माण ठेकेदार, कुटीर उद्योग तथा गुड उद्योग के संचालक अवैध प्रवासियों को काम और आश्रय उपलब्ध कराते हैं। ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच की जाए। उन्होंने व्यवसायियों और ठेकेदारों से अपील की कि वे बिना वैध दस्तावेजों वाले विदेशी नागरिकों को रोजगार पर न रखें तथा नियमानुसार श्रमिकों का सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने रायपुर, कोरबा और रायगढ़ जैसे प्रमुख औद्योगिक नगरों के साथ प्रदेश के अन्य जिलों में भी संवेदनशील क्षेत्रों और संभावित हॉटस्पॉट का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए।

नवाचार को मिलेगी नई पहचान, युवाओं के नए विचारों पर 10 लाख का पुरस्कार

बिलासपुर। युवाओं और विद्यार्थियों में नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने तथा उनके नए विचारों को उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा शासकीय नवीन महाविद्यालय सकरी में सेवा फ़स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र से पांच-पांच विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेता चुने जाएंगे।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलत उपलब्ध यहां

उचित व्याज दर पर धरिवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रेत के अवैध परिवहन पर कोर्ट सख्त, आरोपी को 3 साल की सजा

बिलासपुर। रेत के अवैध परिवहन के मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी को तीन वर्ष के कठोर कारावास और कुल 26 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण को रोकथाम के लिए चलाए गए विशेष अभियान के दौरान यह प्रकरण दर्ज किया गया था। 17 जून 2025 को ग्राम नागौई घाट स्थित अरपा नदी से ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक सीजी 10 बीई 7869 में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर आरोपी कुंवर सिंह कंवर, पिता सम्भार सिंह, निवासी सल्का, थाना कोटा के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था। कार्रवाई के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को पुलिस चौकी बेलगहना की अभिरक्षा में रखा गया था। प्रकरण की सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश, खान और खनिज अधिनियम, जिला बिलासपुर ने 28 अक्टूबर 2026 को निर्णय पारित किया। न्यायालय ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) सहपठित धारा 3(5) के अंतर्गत तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं एक हजार रुपये अर्थदण्ड तथा खान और खनिज अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के अंतर्गत 25 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई।

बैताल रानी घाटी में तेंदुओं की आहट से दहशत

खैरागढ़। छुईखदान क्षेत्र की प्रसिद्ध बैताल रानी घाटी में छिंदारी रिसोर्ट के पास एक साथ तीन तेंदुए दिखाई देने की खबर से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पर्यटकों द्वारा तेंदुओं को एक साथ देखे जाने की जानकारी सामने आने के बाद घाटी मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, आसपास के ग्रामीणों और रिसोर्ट पहुंचने वाले पर्यटकों की चिंता बढ़ गई है। प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और आकर्षक पहाड़ियों के लिए प्रसिद्ध बैताल रानी घाटी जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों की नियमित आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में छिंदारी रिसोर्ट के पास एक साथ तीन तेंदुए दिखाई देने की खबर ने लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नवरात्रि मेले में मारपीट करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ के कुम्हारपारा में नवरात्रि मेले के दौरान धक्का लगने की बात को लेकर हुए विवाद में मारपीट और चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान द्विंयांसि सिंह ठाकुर (20), निवासी खुटापारा, डोंगरगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को 28 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस मामले में एक अन्य आरोपी को 23 अक्टूबर को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। करबला चौक निवासी तेजस सिन्हा तथा महावीर पारा निवासी युवराज नायक के साथ धक्का लगने की बात को लेकर विवाद हुआ था।

10वीं की छात्रा को रास्ते में रोककर मारपीट

कहा - मुझसे बात क्यों नहीं करती, विरोध करने पर भाई के सिर पर हमला, एफआईआर दर्ज



श्रीकंचनपथ न्यूज

खमतारई। 'मुझसे बात क्यों नहीं करती, मुझसे मिलती क्यों नहीं है' कहकर 10वीं की छात्रा को रास्ते में रोक लिया। बात करने से इनकार करने पर उसके साथ मारपीट की। भाई ने विरोध किया तो आरोपी ने अपने दो साथियों को बुला लिया। आरोप है कि इसके बाद तीनों ने भाई-बहन के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान आरोपी ने चाबी से छात्रा के भाई के सिर पर वार कर दिया। मामला उरकुरा इलाके का है। शिकायत पर खमतारई पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

पीड़िता ने बताया कि 26 अक्टूबर 2026 की रात करीब 8:30 बजे वह अपने भाई के साथ पोहा खरीदने जा रही थी। इसी दौरान शर्मा प्लास्टिक फैक्ट्री के

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

पैंगोलिन की खाल के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार, 14 किलो शल्क बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। वन विभाग ने गीदम थाना क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन की खाल की तस्करी कर रहे छह तस्करों को पकड़ा है। वन विभाग की टीम ने आरोपियों के पास से लगभग 14 किलो पैंगोलिन की खाल और शल्क बरामद किए हैं। वन विभाग को आशंका है कि आरोपियों ने छह से सात पैंगोलिन का शिकार कर यह शल्क जुटाई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पैंगोलिन के शल्क की कीमत लाखों रुपये बताई जाती है।

दरअसल वन विभाग को सूचना मिली थी कि गीदम वन परिक्षेत्र में कुछ लोग वाहनों में पैंगोलिन की खाल लेकर ग्राहक की तलाश में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग की विशेष टीम ने गीदम पुलिस थाना के पास घेराबंदी करके तीन



लोगों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर टीम को पता चला कि उनके कुछ साथी जावंगा के पास भी मौजूद हैं। इसके बाद टीम ने जावंगा के पास दबिश देकर अन्य तीन लोगों को पकड़ा।

वाहनों की तलाशी के दौरान अधिकारियों को एक गाड़ी में टायर की स्टेपनी के पास रखी बोरी में छिपाई गई पैंगोलिन की खाल और शल्क मिले।

किसे बेचने वाले थे।

आरोपियों की पहचान दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के निवासियों के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आरोपियों के नाम लक्ष्मण तेलाम, दीपक, मासा मूर्ति, हेमंत वासम, कुहरम भीमा और मासाराम मंडवी सामने आए हैं। इनमें से लक्ष्मण तेलाम दंतेवाड़ा जिले का रहने वाला है, जबकि अन्य पांच आरोपी बीजापुर जिले के निवासी हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लक्ष्मण तेलाम पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह इससे पूर्व भी बाघ की खाल की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। यह कार्रवाई डीएफओ रंगनाथ राधाकृष्णा वाय और एसडीओ शिवेंद्र सिंह के निर्देश पर गीदम रेंजर शिव टंडन, बचेली रेंजर डॉ प्रतीश पांडेय, डिप्टी रेंजर के. राजू और बीट गार्ड लक्ष्मी प्रसाद चालकी समेत अन्य अधिकारियों की टीम ने पूरी की।

बिलासपुर में चोरी के शक में युवक की लाठी-डंडे से पिटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डोसा दुकान में तोड़फोड़ और चोरी की कोशिश के आरोप में एक युवक की लाठी-डंडों से पिटाई की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना सोमवार को बताई जा रही है। आरोप है कि राजीव प्लाजा स्थित डोसा दुकान में पीड़ित विक्री मानिकपुरी ने तोड़फोड़ कर चोरी की कोशिश की थी। इसके बाद व्यापारी और सुरक्षा गार्ड ने उसे पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच



कर रही है। घटना तारवाहर थाना क्षेत्र की है। सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि व्यापारी और सुरक्षाकर्मियों ने विक्री मानिकपुरी को पकड़ा था। उस पर दुकान में तोड़फोड़ और चोरी की कोशिश का आरोप लगाते हुए शाहन चंद्रा ने लिखित

अन्य लोग आसपास खड़े दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है।

सीएसपी बोले- मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका की जांच

सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि 27 अक्टूबर को वायरल हुए वीडियो के आधार पर मारपीट की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्याज पर मनमानी वसूली करने वाली मां-बेटी गिरफ्तार, जान से मारने की धमकी, 3.79 लाख कैश-ब्लैंक चेक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में ब्याज पर रकम देने के बाद मनमानी तरीके से वसूली करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 3 लाख 79 हजार 900

रुपए नकद, लेन-देन का हिसाब रखने वाली डायरी, ब्लैंक चेक और कोरे स्टाम्प पेपर जब्त किए गए हैं। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है।

मामला वैशालीनगर थाना क्षेत्र का है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान बबली साहू उर्फ बबली निरंजन (42) और ज्योति निरंजन (27) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बबली के खिलाफ सुपेला थाने में पहले भी कर्जा एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

शोभराज अग्रवाल ने बताया कि वैशालीनगर निवासी पूनम मनोज कुमार ने



27 अक्टूबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि साल 2024 में 50 हजार रुपए ब्याज पर लिए थे। इसके बदले सुरक्षा के तौर पर ब्लैंक चेक और हस्ताक्षर किया हुआ कोरा स्टाम्प पेपर दिया था। पूनम का आरोप है कि वह 29 सप्ताह तक हर सप्ताह 2,500 रुपए के हिसाब से कुल 72,500 रुपए दे चुकी थी। इसके बाद भी उससे 1 लाख 50 हजार रुपए अतिरिक्त मांगे

जा रहे थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि रकम देने में देरी होने पर आरोपी गाली-गलौज करते थे और जान से मारने की धमकी देते थे। आरोपियों ने पूनम और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर दबाव बनाया।

पूनम की सहेली सुमिता तब्बोली ने भी शिकायत में बताया कि उसने 1 लाख रुपए ब्याज पर लिए थे। इसके बदले 28 सप्ताह तक हर सप्ताह 5 हजार रुपए के हिसाब से कुल 1 लाख 40 हजार रुपए चुका दिए थे। इसके बाद भी उसे परेशान करने और धमकी देने का आरोप है।

शिकायत मिलने के बाद वैशालीनगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की और ब्याज के लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। तलाशी के दौरान बबली साहू के कब्जे से 99 हजार 900 रुपए नकद मिले। वहीं, सीमा यादव के मकान की तलाशी

में करीब 2 लाख 80 हजार रुपए बरामद किए गए। इस तरह कुल 3 लाख 79 हजार 900 रुपए नकद जब्त किए गए।

इसके अलावा ब्याज के लेन-देन का हिसाब रखने वाली डायरी, अलग-अलग बैंकों के ब्लैंक चेक और कोरे स्टाम्प पेपर भी जब्त किए गए हैं। पुलिस इन दस्तावेजों की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, बबली साहू उर्फ बबली निरंजन के खिलाफ सुपेला थाने में पहले भी कर्जा एक्ट सहित अन्य धाराओं में दो मामले दर्ज हैं। इनमें अपराध क्रमांक 138/2026 और 1138/2026 शामिल हैं। पुलिस ने बबली और ज्योति निरंजन को 28 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296, 308(5), 3(5) और कर्जा एक्ट की धारा 4 के तहत केस दर्ज किया है।

40 महिलाओं से 7.58 लाख की धोखाधड़ी, कलेक्शन एजेंट गिरफ्तार



रायगढ़। रायगढ़ में एक फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट ने 40 महिला हितग्राहियों से लोन की किस्तें और लोन क्लोज करने के नाम पर 7 लाख 58 हजार 937 रुपए लिए, लेकिन कंपनी में जमा नहीं किए। आरोपी ने पूरी रकम खर्च कर दी।

ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने उसे हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 31 अगस्त 2026 को भारत फाइनेंशियल इनक्लूजन लिमिटेड की रायगढ़ शाखा के वर्तमान मैनेजर वासुदास मानिकपुरी ने सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में बताया गया कि कंपनी में कलेक्शन एजेंट के पद पर कार्यरत विक्रम सिंह सिसार ने सितंबर 2023 से अगस्त 2024 के बीच 40 महिला हितग्राहियों से

लोन की किस्तें और बकाया ऋण एकमुश्त जमा करने के नाम पर रुपए लिए। इसके बाद उसने रकम कंपनी में जमा नहीं की। महिलाओं ने इस संबंध में ब्रांच में लिखित शिकायत भी दी थी। उनके खातों में कुल 7 लाख 58 हजार 937 रुपए की राशि बकाया थी। शुरुआत में आरोपी से मोबाइल पर संपर्क करने पर उसने कुछ दिनों में रकम कंपनी में जमा करने की बात कही थी। हालांकि, बाद में उसने मोबाइल बंद कर दिया और फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ BNS की धारा 316(5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान शिकायतकर्ता और महिला हितग्राहियों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

4.25 लाख के गांजे के साथ दंपती गिरफ्तार ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते मथुरा ले जा रहे थे गांजा

श्रीकंचनपथ न्यूज



के चार पैकेट मिले। इनका कुल वजन 8.5 किलो था। पुलिस ने 120 रुपए नकद और एक एंजुयड मोबाइल भी जब्त किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते होने वाली गांजा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई कर रही है।

पावर हाउस फ्लाइओवर से गिरकर युवती की मौत, हादसा या खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पावर हाउस फ्लाइओवर पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। फ्लाइओवर से नीचे पावर हाउस चौक के पास सड़क पर गिरने के कारण 21 वर्षीय युवती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान शिवाजी नगर अटल आवास खुसीपार की रहने वाली पूनम अहिखार (21 वर्ष) के रूप में की गई है।

प्राथमिक तौर पर मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।



जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह लगभग 8:45 बजे की है। युवती दुर्ग से रायपुर जाने वाली दिशा के फ्लाइओवर से अचानक नीचे पावर हाउस चौक के पास मुख्य सड़क पर जा गिरी। अचानक हुई इस घटना को देखकर राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 को दी

गई, जिसके बाद गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि पूनम सुबह घर से टहलने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद उन्हें पुलिस के

जरिए उसकी मौत की खबर मिली। परिजनों के अनुसार पूनम पिछले कुछ समय से लगातार बीमार चल रही थी और उसे झटके आते थे। बीमारी के चलते हाल ही में वह 15 दिनों तक अस्पताल में भर्ती भी रही थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए खवनी थाना पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि यह महज एक हादसा था या युवती ने बीमारी व मानसिक तनाव के चलते खुदकुशी जैसा कदम उठाया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चरमदीदी के बयान दर्ज कर रही है।

ट्रक से 38 मवेशी बरामद, भागने के दौरान घायल हुआ तस्कर, हुई मौत

जशपुरनगर। पुलिस ने ऑपरेशन शंखनाद के तहत मवेशी तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए छह चक्का ट्रक से 38 मवेशी बरामद किए हैं। पुलिस ने ट्रक क्रमांक जेएच-02-एल-0355 को जब्त कर झारखंड के लोहरदगा जिले के ग्राम उगारा निवासी मोजामिल अंसारी (29) को गिरफ्तार किया है। वहीं, पुलिस से बचकर भागने के दौरान ट्रक से कूदकर गंभीर रूप से घायल हुए गौतम कुमार भागत उत्तर चरकु की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में मवेशियों को कस्ूरतापूर्वक भरकर चरईडांड से लोरो घाट होते हुए जशपुर लाया

जा रहा है। सूचना के आधार पर लोदाम और दुलदुला पुलिस ने खटंगा के पास नाकाबंदी की, लेकिन ट्रक वहां से निकल गया। इसके बाद पुलिस की कोतवाली पुलिस के साथ संयुक्त रूप से घेराबंदी की गई। पुलिस ने ट्रक को रोक लिया। ट्रक में सवार लोग भागने लगे। पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि अन्य फरार हो गए। पूछताछ में कोरबा जिले के मोरगा से झारखंड के सिसई ले जाया जा रहा था। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। इसके साथ ही पुलिस देखकर भाग रहे घायल युवक की मौत के मामले की भी जांच जारी है। जिसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akshah Gangra,
Supela, Bhilai

Hellio: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329



मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बँगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)



भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर



मिनीमाता महतारी जतन से कविता को मिले 20 हजार

रायपुर। श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत गरियाबंद जिले की हितग्राही श्रीमती कविता ध्रुव को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कविता ने बताया कि इस राशि से उन्हें अपने बच्चों के लालन-पालन, देखभाल एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सहायता राशि प्रदान करने के लिए राज्य शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।



मातृवदन योजना से गर्भावस्था के दौरान पोषण में मिली मदद

गरियाबंद। जिले के फिंगेबर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सहसपुर की निवासी श्रीमती रेखा बारीक ने बताया कि पहली संतान के जन्म पर उन्हें 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली। दूसरी बेटी के जन्म पर उन्हें 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें बच्चों के पोषण एवं देखभाल में आर्थिक मदद मिली। उनका पंजीयन आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए कराया गया था। योजना के तहत मिली यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर के माध्यम से प्राप्त हुई।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

2 नवंबर को नवा रायपुर के सेंध लेक में वायु सेना की सारंग टीम दिखाएगी दमखम

- स्वदेशी 'ध्रुव' हेलीकॉप्टरों से प्रदर्शित होगी भारत की उत्कृष्टता
- दो महिला पायलटों की सहभागिता देगी प्रदेश की बेटियों को प्रेरणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम हवाई प्रदर्शन करेगी। भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता के लिए विश्वभर में सम्मानित है। सारंग टीम का हवाई प्रदर्शन इन गौरवशाली परंपराओं का जीवंत परिचय कराएगा। राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह एयर शो छत्तीसगढ़वासियों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध लेक क्षेत्र में भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम द्वारा भव्य एयर शो प्रस्तुत किया जाएगा। सुबह 11 बजे से प्रारंभ होने



वाले इस विशेष हवाई प्रदर्शन में पांच हेलीकॉप्टर आसमान में अद्भुत सामंजस्य, सटीक उड़ान और साहसिक करतबों का प्रदर्शन करेंगे।

एयर शो के दौरान दर्शकों को हेलीकॉप्टरों की विभिन्न आकर्षक संरचनाएं, समन्वित उड़ानें और रोमांचकारी हवाई गतिविधियां देखने का अवसर मिलेगा। अत्यंत नजदीकी सामूहिक उड़ान और निर्धारित संरचनाओं में हेलीकॉप्टरों का सटीक संचालन सारंग टीम की विशेष पहचान है। राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह प्रदर्शन समारोह के प्रमुख

आकर्षणों में शामिल होगा।

इस आयोजन के माध्यम से प्रदेशवासियों को भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट कार्यकुशलता और आधुनिक विमानन तकनीक से परिचित होने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं के लिए यह आयोजन विमानन, विज्ञान, तकनीक और रक्षा सेवाओं के क्षेत्र में नई संभावनाओं को जानने तथा अपने भविष्य के लिए प्रेरणा प्राप्त करने का माध्यम बनेगा।

सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार करेंगे।

टीम में दो महिला पायलट स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अंकिता और स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अक्षया भी शामिल हैं। टीम के सदस्य पांच हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आसमान में विभिन्न रोमांचक संरचनाओं और साहसिक हवाई करतबों का प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात के दौरान ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सहभागिता का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के राज्य स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनना सारंग टीम के लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि सारंग टीम देश-विदेश में अपने हवाई प्रदर्शनों के माध्यम से भारतीय वायु सेना के कौशल, अनुशासन और उत्कृष्टता का परिचय देती रही है।

ग्रुप कैप्टन श्री कुमार ने कहा कि सारंग टीम का उद्देश्य केवल दर्शकों को रोमांचक हवाई करतब दिखाना नहीं है, बल्कि युवाओं को साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करना भी है। भारतीय वायु सेना में युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को निखारने तथा देश की सेवा करने के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला सारंग हेलीकॉप्टर एयर शो प्रदेश के लिए एक विशेष आकर्षण होगा।

सपनों की उड़ान के लिए पूरा आसमान खुला पड़ा है - ग्रुप कैप्टन अभिजीत

ग्रुप कैप्टन अभिजीत कुमार ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि सपनों की उड़ान के लिए पूरा आसमान खुला हुआ है। आवश्यकता केवल अपने सपनों पर विश्वास करने, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करने की है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य कितना भी ऊंचा क्यों न हो, समर्पण, अनुशासन और कठिन परिश्रम से उसे प्राप्त किया जा सकता है। विश्व में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से इस प्रकार के एयरबैटिक प्रदर्शन करने वाली चुनिंदा तीन टीम हैं, जिनमें भारतीय वायु सेना की सारंग टीम भी शामिल है। इसके पांच हेलीकॉप्टर सटीक समन्वय के साथ उड़ान भरते हैं और करतब प्रस्तुत करते हैं। इस प्रकार के प्रदर्शन के लिए पायलटों के बीच असाधारण तालमेल, एकाग्रता, निरंतर अभ्यास और उच्चस्तरीय तकनीकी दक्षता आवश्यक होती है।

भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपनी विशिष्ट उड़ान शैली और उत्कृष्ट सामूहिक समन्वय के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है। यह टीम भारत में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' के माध्यम से हवाई प्रदर्शन करती है। स्वदेशी ध्रुव हेलीकॉप्टर भारत की आधुनिक विमानन तकनीक और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। सारंग टीम के हेलीकॉप्टरों का रंग संयोजन भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर से प्रेरित है। आसमान में इन रंग-बिरंगे हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान अत्यंत मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करती है। 'उत्कृष्टता से प्रेरणा' के आदर्श वाक्य के साथ सारंग टीम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायु सेना की गौरवशाली परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है। टीम के प्रदर्शन में साहस के साथ-साथ अनुशासन, तकनीकी दक्षता, आपसी विश्वास और सामूहिक प्रयास का अनूठा समन्वय देखने को मिलता है।



सारंग टीम ने मुख्यमंत्री साय से की सौजन्य मुलाकात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने टीम के सदस्यों का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि राज्योत्सव में उनकी सहभागिता प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य और पराक्रम प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। सारंग टीम के पायलट जिस साहस, सटीकता और आपसी समन्वय के साथ आसमान में कठिन हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं, वह उनके कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचायक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रदर्शन युवाओं को बड़े सपने देखने, चुनौतियों का सामना करने और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने सारंग टीम में दो महिला पायलटों की सहभागिता पर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, साहस और क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। रक्षा और विमानन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी नए भारत की बदलती तस्वीर को दर्शाती है। स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अंकिता और स्क्वाड्रन लीडर सुश्री अक्षया जैसी महिला पायलटों का साहस और आत्मविश्वास छत्तीसगढ़ की बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और उचित अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी ऊंचाई को प्राप्त कर सकती हैं।

नशे के अवैध कारोबार की जड़ों पर करें प्रहार : गृहमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल छोटे विक्रेताओं तक ही कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि मादक पदार्थों के उत्पादन, परिवहन, आपूर्ति, वितरण और विक्रय से जुड़े पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए। नशे के कारोबार को संचालित करने वाले बड़े तस्करों, वित्तीय सहयोगियों और संगठित गिरोहों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा मादक पदार्थों की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी जिलों में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) एक्ट के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों, मादक पदार्थों की जब्ती, तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई, संपत्ति कुर्की, वाहनों के राजसूतीकरण और जल्द मादक पदार्थों के नष्टीकरण की जिलावार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने साफकहा कि नशे के अवैध कारोबार



के विरुद्ध कार्रवाई केवल प्रकरण दर्ज करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसके पूरे आर्थिक और आपराधिक नेटवर्क को समाप्त करने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आने चाहिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान समाज और देश की सेवा के साथ ही देशभक्ति का कार्य है। देशभर में नशे के खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें भारत की युवा पीढ़ी को नशे

की गिरफ्त में धकेलने का प्रयास कर रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में युवाओं को नशे से बचना और उनके भविष्य को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई पूरी प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लड़ी जाए। इस अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि समाज में नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता विकसित हो सके।

नशे के कारोबार की पूरी सल्लाई चेन की जांच करें

गृहमंत्री ने गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत मैपिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल मादक पदार्थ ले जाने वाले वाहक अथवा छोटे पैडलरों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। मादक पदार्थों के स्रोत, परिवहन मार्ग, आपूर्ति करने वालों, स्थानीय विक्रेताओं और पूरे कारोबार को नियंत्रित करने वाले व्यक्तियों की पहचान की जाए। इसके पीछे सक्रिय बड़े कारोबारियों और संगठित नेटवर्क तक पहुंचकर उन्हें समाप्त करना आवश्यक है।

नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति पर होगी कार्रवाई

श्री शर्मा ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर नियमानुसार कुर्की एवं जब्ती की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनडीपीएस एक्ट और सफेमा के अंतर्गत की गई कार्रवाइयों की समीक्षा करते हुए संबंधित प्रावधानों के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।



करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम परिषद में उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ, रायपुर द्वारा आयोजित करम पूजा परब 2026 में शामिल हुए। श्री साय ने करम राजा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्री साय ने कहा कि करम परब हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं और पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। यह पर्व प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, प्रेम और सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करता है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की जो परंपरा विकसित की, वह आज भी हमारे समाज को महत्वपूर्ण संदेश देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपर्वों, परंपराओं और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। जनजातीय समाजों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजकर रखा है। करम परब हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने और आपसी प्रेम,

भाईचारे तथा सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं केवल उत्सव मनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनमें हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवनमूल्य और समाज को एकजुट रखने की भावना समाहित है।

इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखना और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमारी नई पीढ़ी अपनी भाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक पर्वों से जुड़ी रहेगी, तभी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत निरंतर आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि करम परब जैसे आयोजन से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने-समझने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रायपुर जिले के गनोद गांव में उरांव समाज के लिए 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से समाज को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के

आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही समाज के लोगों को एकजुट होकर अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विविध जनजातीय परंपराएं प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार हैं। इन परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता, परस्पर सहयोग और सामाजिक समरसता का सुंदर संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करने के साथ उनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित सभी लोगों को करम पूजा परब की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत ही हमारी पहचान और हमारी शक्ति है। यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना निरंतर मजबूत होती रहे।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी, समाज के प्रमुख श्री बिन्देश्वर भगत, उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ के पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन, सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाज के परिवारजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग : बैलाडिला बुल्स की पहली जीत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बारिश से प्रभावित राजधानी रॉयल्स बनाम बैलाडिला बुल्स के मुकाबले में चिंगलनेसाना सिंह की टीम ने आज रात छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 1-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के बाद बुल्स ने सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। वहीं रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।

बारिश के कारण करीब एक घंटे देर से शुरू हुए मैच में लीग में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही बुल्स को अपने पहले गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।

जैसे ही सर्कल में मौका बना, राहुल यादव ने गेंद पर जोरदार शॉट मारा, जिससे उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पूरे मैच में कई मौके बनने के बावजूद 60 मिनट के खेल में यही एकमात्र गोल रहा।

गोले मैदान में जब रॉयल्स की टीम बुल्स के हाफमें प्रवेश करने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, तब बुल्स ने लगभग अपना दूसरा गोल कर ही लिया था। गोपल पैकरा ने गेंद को गोलपोस्ट की तरफ मोड़ा, लेकिन अंपायर ने इस गोल को अमान्य करार दिया। हालात काफी खराब थे, फिर भी दोनों



टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पास सही जगह तक नहीं पहुंच पा रहे थे और शॉट्स की गति भी काफी कम हो गई थी।

बुल्स के जसकरण को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार गेंद को अंदर भेजने (इंजैक्शन) का तरीका सही नहीं रहा, जिससे कोई गोल नहीं हो सका। पहले हाफ के अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे।

खिलाड़ियों की बारिश से जूझना पड़ा। सर्कल में भरे पानी की वजह से फॉरवर्ड लाइन अपनी मनचाही रणनीति के साथ नहीं खेल पाई। कुल मिलाकर रॉयल्स के लिए पूरी लीग काफी निराशाजनक रही।

रॉयल्स की टीम पेनल्टी कॉर्नर पर एक भी गोल नहीं कर सके, जो उनकी हार का सबसे बड़ा कारण रहा। इसके बावजूद हिमांशु को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि राहुल ने 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

न्यायधानी नाइट्स और नैनपाट टाइटन्स का मैच 1-1 से ड्रॉ

कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और नैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से कुछ हमले किए गए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर की अंत में गोल करके खाता खोला। केतन ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल किया, जब उन्होंने रिवाउंड पर गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचा दिया। मैच के अहम मोड़ पर नैनपाट को कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अटैक में ज्यादा खिलाड़ियों को लगाया, जिसका नतीजा यह रहा कि मोहित ने उनके लिए गोल कर दिया। केतन को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला, जबकि नैनपाट को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैनापाट के पास 29 अवटूर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेलकर सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका होगा।